(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)

DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021

Title Code : DELHIN28978

संपादक :
राकेश कुमार
Mob.: 9560484749

यूनिवर्सल मीडिया

दिल्ली से प्रकाशित व भारतवर्ष में प्रसारित

Email : universalmedianews18@gmail.com, Mob.: 9560484749

सिर्फ एक सोच से ही ...

वर्ष-3 | अंक-41 | बृहस्पतिवार 3 अप्रैल से 9 अप्रैल 2025 | नई दिल्ली, | संपादक : राकेश कुमार | पृष्ठ-8 | मूल्य: 1.00 रूपये

न्यूज फटाफट

पंखे से लटका मिला युवती का शव

नई दिल्ली।। लक्ष्मी नगर थाना इलाके में एक युवती का शव उसके फ्लैट में पंखे से लटका मिला। मृतका की पहचान अमरोहा निवासी शाइस्ता के रूप में हुई है। अमरोहा की रहने वाली शाइस्ता किराए के फ्लैट में अकेली रह रही थी, दो महीने पहले एक प्राइवेट बैंक में जॉब पर लगी थी। रविवार शाम को वह जामा मस्जिद गई थी। वहां से उसने परिजनों से वीडियो कॉल पर बात की थी।

पत्नी को देना था गुजारा भत्ता, करने लगा लूटपाट

नई दिल्ली।। मौर्या एन्क्लेव इलाके में कूरियर देने के बहाने घर में घुसकर साथी के साथ सीनियर सिटीजन का गला घोंटकर व गोली मारने की धमकी देकर लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, पिस्टल, एक बैग और वारदात के वक्त पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं।आरोपियों की पहचान पंकज,अभिषेक उर्फ हर्ष और रामा स्वामी के रूप में हुई है। पंकज और अभिषेक दोनों पहले भी कई वारदातों में शामिल रहे हैं। पंकज ने तलाक के बाद अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देने के लिए पैसे का इंतजाम करने के इरादे से अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात करने लगा था।

नशे में धुत ड्राइवर ने मारी टक्कर

नई दिल्ली।। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। नशे में धुत एसयूवी ड्राइवर ने 5 यूपीएससी छात्रों समेत 6 लोगों को रौंद दिया। घटना में घायल सभी छह लोगों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी शराब की जांच कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आज का सुविचार

आगे पीछे सोच समझकर कर्म करो तो सफलता मिलती रहेगी।

दिल्ली CM बोलीं- मोदी संत हैं:देशसेवा को पूजा मानते हैं; शाह जो कहते, वही करते हैं, उनके जैसा बनना चाहती हूं

एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक संत हैं और गृह मंत्री अमित शाह का व्यक्तित्व साहसी है। मैं उनके जैसा बनना चाहती हूं।

न्यूज एजेंसी PTI को बुधवार शाम दिए इंटरव्यू में ण्श ने कहा कि मैं मोदी जी को संत मानती हैं। कुछ संत भगवान की सेवा में समर्पित हो जाते हैं। मोदी जी देश सेवा को ही अपनी पूजा मानते हैं। हमारी पार्टी में ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने अपने-अपने तरीके से देश सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। नितिन गडकरी और अमित शाह भी उनमें से एक हैं।

उन्होंने कहा- शाह में कठिन फैसले लेने और लागू करने की क्षमता है, फिर चाहे वे कितने ही मुश्किल हों। उन्होंने देश के लिए कई बड़े फैसले बिना किसी हिचकिचाहट के लिए हैं। मैं अमित शाह जी की तरह बनना चाहूंगी। उनमें निर्णय लेने की क्षमता है और वे वही करते हैं जो वे

कहते हैं।

रेखा गुप्ता दिल्ली के हालिया विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक बनी हैं। भाजपा ने यहां 26 साल बाद चुनाव जीतने के बाद रेखा को सरकार की कमान सौंपी है। विधानसभा की 70 सीटों में से भाजपा ने 48 और AAP ने 22 सीटें जीती थी। वहीं, जबकि कांग्रेस एक भी सीट जीत नहीं पाई थी

मुख्यमंत्री बोलीं- गलतियां मानने में आपत्ति नहीं रेखा ने मुख्यमंत्री बनने से पहले सोशल मीडिया पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ उनकी विवादास्पद टिप्पणियों और बयानों पर भी माफी मांगी। उन्होंने कहा- जब हम बचपन में बोलते थे तो शायद हमें भाषा पर बहुत पकड़ नहीं होती थी। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, कुछ हद तक परिपक्वता प्राप्त करते हैं और आगे हम ज्यादा बेहतर समझ हासिल करते हैं।

कभी-कभी हम बिना इरादे के कुछ गलतियां कर देते हैं। जब आपको कुछ समय बाद पता चलता है कि आपने गलती की है, तो आपको हमेशा याद रखना चाहिए कि भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए। मुझे अपनी गलतियां स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है।

पुलिसवालों पर की गई टिप्पणी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं बता नहीं सकतीं कि पुलिस कर्मियों के लिए मेरे मन में कितना सम्मान है। वे दिन-रात, खाना, नींद और अपने परिवार की परवाह किए बिना, एक फोन कॉल पर उपलब्ध रहते हैं। रेखा गुप्ता की टिप्पणियों के लिए AAP ने 28 मार्च को विधानसभा में उनकी आलोचना की थी।

'चुटकी काटकर विश्वास दिलाया कि मुख्यमंत्री बनने जा रही हूं' दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम की घोषणा पर रेखा गुप्ता ने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई फिल्म चल रही हो। खुद को चुटकी काटकर विश्वास दिलाया कि मुझे मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है। भाजपा प्रतिभा और समर्पण से भरी है। हमारी पार्टी में परवरिश ऐसी है कि पहले उन्हें तैयार किया गया और अब वे हमें तैयार कर रहे हैं और हम अगली पीढ़ी के साथ ऐसा करेंगे। यह एक दूसरे का हाथ थामने की कड़ी है।

मुख्यमंत्री बोलीं- अफसोस कि अब परिवार को समय नहीं दे पाती रेखा से उनके एकमात्र अफसोस के बारे में पूछ जाने पर उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री बनने के बाद से उन्हें परिवार के लिए समय कम करना पड़ा। पहले मैं बच्चों से रोज बात करती थी, दोनों दिल्ली से बाहर पढ़ते हैं। लेकिन अब उनके समय में कटौती करनी होगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी सफलता के पीछे उनके पति का हाथ है, गुप्ता ने कहा- हां, बिल्कुल। कहावत है कि हर सफल व्यक्ति के पीछे एक महिला होती है, लेकिन इसका उल्टा भी सच हो सकता है। उनका समर्थन और साथ एक बड़ा प्लस पॉइंट है, जो आगे बढ़ने में मदद करता है।

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का 101 साल की उम्र में देवलोकगमन

एजेंसी

आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ की प्रमुख 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी नहीं रहीं। अहमदाबाद के जाइडिस अस्पताल में (सोमवार) रात्रि 1.20 बजे अंतिम सांस ली। उनके पार्थिक शरीर को मुख्यालय शांतिवन के कॉन्फ्रेंस हाल में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया है, जहां श्रद्धांजली देने के लिए लोगों की कतार लगी है। 10 अप्रैल को सुबह 10 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, सीएम भजनलाल शर्मा, छग के राज्यपाल रमन डेका और सीएम विष्णु देव साय ने शोक जताते हुए श्रद्धांजली दी है। दादी के निधन की खबर से संस्थान के विश्वभर में फैले सेवाकेंद्रों और साधकों में शोक की लहर है। मुख्यालय में अखंड योग-साधना का दौर जारी है।

बता दें कि चार वर्ष पूर्व दादी हृदयमोहिनी के देहावसान के बाद आप मुख्य प्रशासिका बनीं थीं। पिछले 40 साल से आप संस्थान के युवा प्रभाग की अध्यक्षा रहीं। आपके नेतृत्व में वर्ष 2006 में भारतभर में निकाली गई युवा पदयात्रा को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया था। 2014 को गुलबर्गा विश्वविद्यालय ने दादी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा था।

आप मात्र 13 वर्ष की आयु में ही ब्रह्माकुमारीज से जुड़ीं और पूरा

जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। 101 वर्ष की आयु में भी दादी की दिनचर्या अलसुबह ब्रह्ममुहूर्त में 3.30 बजे से शुरू हो जाती थी। सबसे पहले वह परमपिता शिव परमात्मा का ध्यान करती थी। राजयोग मेडिटेशन उनकी दिनचर्या में शामिल रहा।

सिंध हैदराबाद में हुआ था जन्म : 25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद के एक साधारण परिवार में दैवी स्वरूपा बेटी ने जन्म लिया। माता-पिता ने नाम रखा लक्ष्मी। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कल यही बेटी अध्यात्म और नारी शक्ति का जगमग सितारा बनकर सारे जग को रोशन करेगी। बचपन से अध्यात्म के प्रति लगन और परमात्मा को पाने की चाह में मात्र 13 वर्ष की उम्र में लक्ष्मी ने विश्व शांति और नारी सशक्तिकरण की मुहिम में खुद को झोंक दिया।

87 वर्ष की यात्रा की रहीं साक्षी : दादी वर्ष 1937 में ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना से लेकर आज तक 87 वर्ष की यात्रा की साक्षी रही हैं। पिछले 40 से अधिक वर्ष से आप संगठन के ही युवा प्रभाग की अध्यक्षा की भी जिम्मेदारी संभाल रही हैं। आपके नेतृत्व में युवा प्रभाग द्वारा देशभर में अनेक राष्ट्रीय युवा पदयात्रा, साइकिल यात्रा और अन्य अभियान चलाए गए।

ब्रह्मा बाबा के साथ 32 साल का लंबा सफर : दादी रतनमोहिनी में बचपन से ही भक्तिभाव के संस्कार रहे। छोटी सी उम्र होने के बाद भी आप अन्य बच्चों की तरह खेलने-कूदने के स्थान पर ईश्वर की आराधना में अपना ज्यादा वक्त गुजारती थीं। स्वभाव धीर-गंभीर था। पढ़ाई में भी होशियार होने के साथ प्रतिभा संपन्न रहीं हैं। दादीजी ने वर्ष 1937 से लेकर ब्रह्मा बाबा के अ?व्यक्त होने (वर्ष 1969) तक साए की तरह साथ रहीं। इन 32 साल में आप बाबा के हर पल साथ रहीं। बाबा का कहना और दादी का करना यह विशेषता शुरू से ही थी।

बहनों की ट्रेनिंग और नियुक्ति की कमान : वर्ष 1996 में ब्रह्माकुमारीज़ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तय हुआ कि अब विधिवत बेटियों को ब्रह्माकुमारी बनने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए एक ट्रेनिंग सेंटर बनाया गया और तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि ने आपको ट्रेनिंग प्रोग्राम की हैड नियुक्त किया। तब से लेकर आज तक बहनों की नियुक्ति और ट्रेनिंग की जिम्मेदारी दादीजी के हाथों में रही। दादी के नेतृत्व में अब तक 6000 सेवाकेंद्रों की नींव रखी गई है।

40 साल से युवा प्रभाग की संभाल रहीं हैं कमान : युवा प्रभाग द्वारा दादीजी के नेतृत्व में 2006 में निकाली गई स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा ने ब्रह्माकुमारीज़ के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया। पद यात्रा द्वारा पूरे देश में 30 हजार किमी का सफर तय किया गया। इसमें पांच लाख ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भाग लिया। सवा करोड़ लोगों को शांति, प्रेम, एकता, सौहार्द्र, विश्व बंधुत्व, अध्यात्म, व्यसनमुक्ति और राजयोग ध्यान का संदेश दिया गया।

देश में बनाए कई रिकार्ड : दादी के ही नेतृत्व में 1985 में भारत एकता युवा पदयात्रा निकाली गई। इससे 12550 किमी की दूरी तय की गई। यात्रा का शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने किया था। कन्याकुमारी से दिल्ली (3300 किमी) की सबसे लंबी यात्रा रही। दादी के निर्देशन में करीब 70 हजार किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्राएं निकाली गईं।

सम्पादकीय

सत्य की राह

राकेश कुमार

'सच्चा प्रेम उसी उपजाऊ दिल की धरती में पैदा होता है, जिसके अंदर 'निस्वार्थ भाव की नमी' और चारों तरफ 'सहयोग के सूर्य की रोशनी' भरपूर मात्रा में होती है'।

बड़े से बड़ा कार्य पूर्ण करने की एक मात्र विधि है- दिल की गहराई से अपने कार्य से प्रेम करना.. 'खुद से भी ज्यादा!

कहते हैं कि किसी व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी चुनौती अगर कोई है, जिसे पार करना बहुत मुश्किल है... तो वह है- 'खुद के मन को समझाना।'

ध्यान रहे कि हर व्यक्ति यह जानता है कि, उसके अंदर क्या अच्छा या बुरा है।... परन्तु ऐसा लगता है कि, सबने खुद को बदलने की बजाय... केवल दूसरों को ठीक करने की जिम्मेवारी उठा रखी है।

'संबंधों की जड़े भावना से बनी हो तो टूटना मुश्किल है, और स्वार्थ से बनी हो तो टिकना मुश्किल है'

यदि औरों के बजाए आप स्वयं पर गहराई से ध्यान देंगे तो आप पाएंगे कि, सुख और दुःख का कारण हमारे अंदर ही है, और हम उसे बाहर तलाशते हैं। सुख और दुःख का आधार हमारी सोच पर है, जीवन की हर परिस्थिति में सही सोचना आ जाये तो हम दुःख से उपराम रह सकते हैं। सही कहा गया है, किसी को जीवन में उतना ही स्थान दें जितना कि वह आपको देता है। अन्यथा या तो तुम्हें रोना पड़ेगा या वो आपको रुलाएगा। ध्यान रहे- शिकायत कम और शुक्रिया ज्यादा करने से जिंदगी आसान हो जाती है तो आज से शुक्रिया अदा करना शुरू कर दें फिर देखें जिंदगी में चमत्कार ।।

परमात्म ऊजा

कर्म करने समय कर्म में तो लग जाते और धारणा पूरी नहीं होती, तो इसको क्या कहा जायेगा? लोगों को कहते हो- धर्म और कर्म को अलग करने के कारण आज की जीवन व परिस्थितियां ऐसी हो गई हैं। तो अपने आप से पूछो कि धर्म और कर्म अर्थात् धारणायें और कर्म, दोनों की समानता रहती है व कर्म करते फिर भूल जाते हो? जब कर्म समाप्त होता तब धारणा स्मृति में आती है। जब बहुत कर्म में बिज़ी रहते हो, उस समय इतनी धारणा भी रहती है व जब कार्य हल्का होता है तब धारणा भारी होती है? जब धारणा भारी है तो कर्म हल्का हो जाता है? तराजू का दोनों तरफ एक समान चलता रहे तब तराजू का मूल्य होता है। नहीं तो तराजू का मूल्य ही नहीं। तराजू है बुद्धि।

बुद्धि में दोनों बातों का बैलेन्स ठीक है तो उनको श्रेष्ठ बुद्धिवान व दिव्य बुद्धिवान, तेज बुद्धिवान कहेंगे। नहीं तो साधारण बुद्धि। कर्म भी साधारण, धारणायें भी साधारण होती हैं। तो साधारणता में समानता नहीं लानी है लेकिन श्रेष्ठता में समानता हो। जैसे कर्म श्रेष्ठ वैसी धारणा भी श्रेष्ठ।

कर्म धारणा अर्थात् धर्म को मर्ज ना कर दे, धारणा कर्म को मर्ज न करे तो धर्म और कर्म दोनों ही श्रेष्ठता में समान रहें- इसको कहा जाता है धर्मात्मा। धर्मात्मा कहो व महान आत्मा व कर्मयोगी कहो, बात एक ही है। ऐसे धर्मात्मा बने हो? ऐसे कर्मयोगी बने हो? ऐसे ब्लिसफुल बने हो?

एकान्तवासी भी और साथ-साथ रमणीकता भी इतनी ही हो। कहाँ एकान्तवासी और कहाँ रमणीकता! शब्दों में तो बहुत अन्तर है, लेकिन सम्पूर्णता में दोनों की समानता रहे। जितना ही एकान्तवासी उतना ही फिर साथ-साथ रमणीकता भी होगी।

एकान्त में रमणीकता गायब नहीं होनी चाहिए। दोनों समान और साथ-साथ रहें। आप जब रमणीकता में आते हो तो कहते हो अन्तर्मुखता से नीचे आ गये और अन्तर्मुखता में आते हो तो कहते हो आज रमणीकता कैसे हो सकती है? लेकिन दोनों साथ-साथ हों। अभी-अभी एकान्तवासी, अभी-अभी रमणीक। जितनी गम्भीरता उतना ही मिलनसार भी हों। ऐसे भी नहीं, सिर्फ गम्भीरमूर्त हों। मिलनसार अर्थात् सर्व के संस्कार और स्वभाव से मिलने वाला। गम्भीरता का अर्थ यह नहीं कि मिलने से दूर रहें। कोई भी बात अति में अच्छी नहीं होती है।

सिर्फ एक सोच से ही बदल जाता है जीवन

देखें आज सारे दिन कौन-सी बातें हुई थीं। क्या किसी भी बात से मन में हलचल आई थी? उसे फिर मन पर लेकर आएं। और उसी परिस्थिति में खुद को देखें कि परिस्थिति मेरे अनुसार नहीं है। मैं शांत और स्थिर आत्मा हूँ और ये मेरी शक्ति है। हमेशा खुश रहने वाली सुख स्वरूप आत्मा हूँ। हरेक रिश्ते में कोई कैसा भी व्यवहार करे, मेरा संस्कार सबको प्यार देने वाला हो। मैं प्रेमस्वरूप आत्मा हूँ। इसको मन में रोज़ दोहराना है। मैं शक्तिशाली आत्मा हूँ, भृकुटि के बीच उस सितारे को देखते रहना और साथ-साथ दोहराना है मैं शांत स्वरूप, सुख स्वरूप, प्रेम स्वरूप आत्मा हूँ। मैं सर्वशक्तिमान परमात्मा की संतान हूँ, मैं उनकी ही तरह सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।

हम सब परमात्मा को प्यार से याद करते हैं और कहते हैं- तुम माता-पिता हो हम आपके बच्चे हैं। माता-पिता कैसे हैं- सर्वशक्तिमान हैं, प्यार का सागर हैं, विश्व-कल्याणकारी हैं, क्षमा का सागर हैं, प्यार का सागर हैं, दुःखहर्ता-सुखकर्ता हैं। हम ऐसे परमात्मा के बच्चे हैं, तो बच्चे कैसे होंगे? अगर आपके पास भरपूर धन है तो क्या ऐसा हो सकता है कि आपके बच्चे दुनिया के सामने मांगते रहें कि एक रुपया दे दो? हमारे पिता के पास प्यार का सागर है। वो दाता है, दाता का हाथ कैसा होता है? देने वाला होता है। वो दाता है। हम उसके बच्चे हैं। तो फिर हम कौन हो गए? दाता के बच्चे देने वाले होंगे या मांगने वाले होंगे?

हम में से किस-किस को खुशी चाहिए और हम में से किस-किस को शान्ति चाहिए। फिर हम में से किस-किस को प्यार चाहिए। पूछने पर हमारा हाथ उठ जाता है। हम कह रहे थे दाता के बच्चे देने वाले होंगे। लेकिन अभी चाहिए पूछने पर हम हाथ उठा रहे हैं। शान्ति चाहिए, खुशी चाहिए, प्यार चाहिए तो हमारा हाथ कौन-सी तरफ है? देने वाली तरफ है या मांगने वाली तरफ है? कौन अच्छा लगता है- मांगने वाला या देने वाला? एक सोच जीवन बदल देती है। एक सोच हमने बना ली- खुशी चाहिए। कहीं किसी ने बोला तो हमने भी सुन लिया। सुन लिया तो हमने भी बोलना शुरू कर दिया कि खुशी चाहिए, रिश्तों में प्यार चाहिए, छोटों से सम्मान चाहिए, बड़ों से स्नेह चाहिए। चाहिएछचाहिएछ बोलते गए। बाज़ार में दुकानों पर बड़े-बड़े चित्र लगे रहते हैं कि अगर आप ये खरीद लेंगे तो आपके पास खुशी आएगी तो हमने कहा ये चाहिए। ये करते-करते एक सोच बन गई और जितना चाहिए-चाहिए वाली सोच बनी, उतना खुशी बढ़ी या खुशी घटी? आप सिर्फ ये चेक करो- पिछले कुछ सालों में मतलब दो-तीन साल ही देख लो। दो-तीन सालों में खुशी बढ़ी या घटी? चिंताएं बढ़ी या घटीं?

अभी पीछे जब मैं अमेरिका गई थी तब वहां पूछा कि किस-किस को खुशी चाहिए तो सबने हाथ उठा दिया। अधिकतर वो लोग थे जो यहां से गए थे कि वहां खुशी मिल जाएगी। हम कुछ न कुछ करते रहते हैं ये सोचकर कि ये खरीदेंगे तो खुशी मिल जाएगी, वहां चले जाएंगे तो खुशी मिल जाएगी, ये बन जाएंगे तो खुशी मिल जाएगी, वो पा लेंगे तो खुशी मिल जाएगी। यह सब ज़रूरी हैं। हमें यह सोचना चाहिए कि हम कुछ बनेंगे तो देने के लिए, लेने के लिए नहीं।

मन, बुद्धि और चित्त संसार की सबसे अद्भुत वस्तु

यदि मुझ से कोई पूछे कि संसार की सबसे अद्भुत वस्तु कौन-सी है, तो मैं उसका उत्तर एक ही शब्द में दूँगा। वह शब्द हैं 'आत्मा' अथवा 'परमात्मा'। अन्य लोगों से यदि यही प्रश्न किया जाये तो शायद उनमें से कई ताजमहल (आगरा) को, कोई 'चीन की दीवार' को और कई अन्य किसी वस्तु अथवा विज्ञान के आविष्कार का नाम लेंगे। परन्तु मैं इस सृष्टि में आत्मा ही को सबसे अधिक अद्भुत और विचित्र मानता हूँ क्योंकि इस संसार में मनुष्य अथवा अन्य किसी चैतन्य सत्ता से बनाई गई जो बहुत ही अद्भुत वस्तुएँ हैं उनका भी रचयिता तो आत्मा ही है।

वस्तु के स्थूल निर्माण से भी पूर्व तो उसकी रूप-रेखा आत्मा ही में जाग्रत होती है। आत्मा ही उस संकल्प को प्रकृति रूपी सामग्री का आधार लेकर मर्त रूप देती है। अतः संकल्प, विवेक, निश्चय, स्मृति, धारणा, ध्यान, कल्पना इत्यादि शक्तियाँ जो ही आत्मा की चैतन्यता की परिचायक हैं, अति विचित्र हैं। क्योंकि इन्हीं से सब वस्तुओं की रचना हुई है। इसलिए गीता के भगवान भी आत्मा को आश्चर्यवत् बताते हुए कहते हैं किः

'आश्चर्यवत् पश्यति कश्चित एनम...' अर्थात् आत्मा के विषय में जो चर्चा है, लोग उसे आश्चर्यवत सुनते-देखते और कहते हैं।

आत्मा की योग्यताओं-शक्तियों का महत्व : ऊपर आत्मा जो कई एक योग्यताएँ शक्तियाँ बताई गई हैं, उन्हों के कारण आत्मा अद्भुत कही गई है, उन्हीं का ठीक प्रयोग, सदुपयोग ही आत्मा का पवित्र होना महात्मा होना है। इन्हीं शक्तियों अथवा योग्यताओं के नियंत्रण, शोध अथवा मार्गान्तरीकरण से आत्मा जीवनमुक्ति को प्राप्त करती है और इन्हीं के विकृत, कुण्ठित, पथभ्रष्ट, निकृष्ट होने से आत्मा दुःखी और अशान्त होती है क्योंकि यही तो समन्वित रूप में आत्मा की सत्ता अथवा स्वरूप है। अतः आत्मा के शुद्ध संकल्पों, सद्विवेक, सत्य-निश्चय, ईश्वर-स्मृति इत्यादि को जानना ही आत्मा के स्वरूप को जानना है और परमात्मा के विवेक यानी ज्ञान को जानना ही परमात्मा को जानना है। यह जानने से आत्मा स्वरूप-स्थित हो जाती है, अपनी गँवाई हुई शक्तियाँ अथवा योग्यताएं पुनः प्राप्त कर लेती है और परमात्मा के स्वरूप, गुण, कर्म इत्यादि के ज्ञान द्वारा अपनी समृति को उसमें निष्ठ करने से दैवी गुणों वाली हो जाती है।

संकल्प-विवेक इत्यादि क्या हैं? : परन्तु संकल्पों, विवेक, निश्चय, धारणा, स्मृति, ध्यान इत्यादि की शुद्धि क्या है, इसको जानने से पूर्व तो यह जानना आवश्यक है कि यह है क्या वस्तुएं। यूँ तो ऊपर इन योग्यताओं अथवा शक्तियों का जो महत्व-दर्शन कराया गया है, उससे भी सिद्ध है कि ये स्वयं आत्मा ही की आत्मीयता है। परंतु कई देह-अभिमानी और मिथ्या-ज्ञानाभिमानी लोग इन्हें प्रकृतिकृत सत्ता मानते हैं। अतः थोड़ा स्पष्ट करना आवश्यक होगा कि ये प्रकृतिकृत सत्ताएं नहीं हैं।

क्या मन-बुद्धि इत्यादि प्रकृतिकृत नहीं? : जो लोग मन इत्यादि को आत्मा से अलग, सूक्ष्म प्रकृति का बना मानते हैं, वह अपने मत को कई उदाहरणों से स्पष्ट करना चाहते हैं। वह कहते हैं— 'आपने देखा होगा कि कई बार सोये हुए आदमी की आँखें खुली होती हैं। परन्तु सुषुप्ति में होने के कारण, वह मनुष्य, आँखें खुली होने पर भी आँखों के सामने की वस्तुओं को नहीं देखता। इसी प्रकार, जब कोई मनुष्य पूर्णतया प्रभु-मनन में तल्लीन होता है, वह भी अपनी खुली आँखों के सामने से गुजरने वाले व्यक्तियों अथवा पदार्थों की ओर आकृष्ट नहीं होता। अतः अब सोचना यह है कि आत्मा के उपस्थित होते हुए और आँखें भी खुली होते वह कौन-सा साधन रूप तीसरा पदार्थ है जिसका प्रयोग न करने के कारण मनुष्य आँखों से देखने का काम नहीं ले सकता। वह साधन 'मन' है। क्योंकि वह आत्मा और आँख इत्यादि इन्द्रियों से पृथक है, अतः वह प्रकृतिकृत परन्तु सूक्ष्म है।'

परंतु उन लोगों के (ऊपर दिए गए) उदाहरण पर यदि आप विचार करेंगे तो आप देखेंगे कि उनकी मान्यता सत्य नहीं। बात यह है कि 'मन'(जो कि यहाँ स्वयं आत्मा ही का ध्यान अथवा अवधान नाम की योग्यता-शक्ति का पर्यायवाची है) एक समय एक ही व्यक्ति, पदार्थ अथवा क्रिया में तल्लीन हो सकता है, एक ही बात पर विचार कर सकता है, एक ही विषय का मनन अथवा रसास्वादन कर सकता है।

अतः प्रभु-मनन में अथवा परमात्मा के ध्यान में जिस व्यक्ति का उदाहरण ऊपर दिया गया है, उस ही से स्पष्ट है कि उसका मन प्रयुक्त तो हो रहा है परन्तु वह इन्द्रियों द्वारा ग्रह्य वस्तुओं से भिन्न किसी सत्ता पर एकाग्र होने के कारण, आँखों के खुला होने पर भी आँखों के विषय को ग्रहण नहीं कर पा रहा।

स्पष्ट है कि 'मन' यहाँ स्वयं आत्मा ही के ध्यान, अवधान, मनन, चिन्तन इत्यादि की योग्यता एवं शक्ति है। अतः मन नाम को कोई प्रकृतिकृत पदार्थ आत्मा से भिन्न मानना, मन को न जानने ही के कारण है।

यूनिवर्सल मीडिया

दिल्ली दंगे मामले में BJP नेता कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच के निर्देश देने वाले आदेश पर लगी रोक

राकेश कुमार, संवाददाता

दिल्ली कोर्ट ने बुधवार को निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली पुलिस को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों में कथित संलिप्तता को लेकर भारतीय जनता पार्टी नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच करने का निर्देश दिया गया था।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने दिल्ली पुलिस द्वारा एसीजेएम द्वारा 01 अप्रैल को पारित आदेश को चुनौती देने वाली पुनर्विचार याचिका पर नोटिस जारी किया।

कोर्ट ने कहा, 'पुनर्विचार याचिका का नोटिस प्रतिवादियों को 21.04.2025 तक वापस करने के लिए जारी किया जाए। अगली तारीख तय करने के लिए एलडी एसीजेएम की अदालत का रिकॉर्ड भी मांगा जाए। इस बीच अगली सुनवाई की तारीख तक आरोपित आदेश के संचालन पर रोक रहेगी।'

दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि इस आदेश को रद्द किया जाना

चाहिए, क्योंकि एसीजेएम ने मामले में आगे की जांच का निर्देश देने में गलती की। हालांकि शिकायतकर्ता ने CrPC की धारा 156 (3) के तहत FIR दर्ज करने की प्रार्थना की थी।

यह दलील दी गई कि दंगों में बड़ी साजिश का आरोप लगाने वाले UAPA मामले के लंबित होने के बारे में जानकारी होने के बावजूद एसीजेएम ने आगे की जांच का निर्देश देकर मामले से निपटने वाली स्पेशल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया।

आक्षेपित आदेश में एसीजेएम ने कहा कि मामले में उनके खिलाफ आगे की जांच जरूरी है, क्योंकि शिकायत में उल्लिखित घटनाओं में से एक के संबंध में उनके खिलाफ संज्ञेय अपराध पाया गया।

जज ने कहा कि कपिल मिश्रा ने पूछताछ में खुद स्वीकार किया कि वह संबंधित क्षेत्र में मौजूद थे और उनके आसपास लोग इकट्ठा हुए थे और वह उन्हें जानते भी थे। इसलिए उनकी मौजूदगी से शिकायतकर्ता के आरोपों को और पुख्ता करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। शिकायत मोहम्मद इलियास नामक व्यक्ति ने दर्ज कराई थी। एसीजेएम के समक्ष दिल्ली पुलिस ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि दंगों के संबंध में मिश्रा को फंसाने की सुनियोजित साजिश थी।

दिल्ली पुलिस ने कहा था कि BJP नेता को इस मामले में फंसाया जा रहा है और 2020 के दंगों में उनकी कोई भूमिका नहीं है। शिकायतकर्ता मोहम्मद इलियास ने मिश्रा, दयालपुर थाने के तत्कालीन एसएचओ और भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट और पूर्व भाजपा विधायक जगदीश प्रधान और सतपाल संसद सहित पांच अन्य के खिलाफ ईं दर्ज करने की मांग की थी।

इलियास ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 23 फरवरी, 2020 को उन्होंने मिश्रा और उनके साथियों को सड़क जाम करते और रेहड़ी-पटरी वालों की गाड़ियों को नष्ट करते देखा। उन्होंने आगे दावा किया कि तत्कालीन पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पूर्व) और अन्य पुलिसकर्मी मिश्रा के बगल में खड़े होकर प्रदर्शनकारियों को क्षेत्र खाली करने या परिणाम भुगतने की चेतावनी दे रहे थे।

विदेशियों सेल की टीम ने 5 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा

ज्योति, संवाददाता

नई दिल्ली।। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के विदेशियों सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए राजधानी में अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में की गई, जहां ये लोग फर्जी दस्तावेजों के सहारे पिछले कई महीनों से रह रहे थे.

गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई : पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को गुप्त सूचना के आधार पर चिन्हित किया गया था. विदेशियों सेल की विशेष टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर इन्हें पकड़ा. प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि ये सभी व्यक्ति भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के बाद मजदूरी, घरेलू काम और छोटी दुकानों में कार्य कर रहे थे.

फर्जी दस्तावेजों के सहारे पहचान छुपा रहे थे : पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य पहचान पत्र बरामद हुए हैं. इन दस्तावेजों का उपयोग वे अपनी पहचान छुपाने और लंबे समय तक भारत में रहने के लिए कर रहे थे. गिरफ्तार किए गए लोगों की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है.

राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा : विदेशियों सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा: 'इन अवैध नागरिकों की उपस्थिति न केवल कानून-व्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी गंभीर चिंता का विषय है. हम लगातार ऐसे तत्वों पर नजर बनाए हुए हैं और इस दिशा में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.'

दिल्ली पुलिस ने नंद नगरी से 13 लाख का गांजा किया बरामद, 4 आरोपी गिरफ्तार

ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली के नारकोटिक्स स्क्वायड की टीम ने नंद नगरी इलाके से चार ड्रग्स सप्लायर्स को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से 27 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ है. जिसकी अनुमानित कीमत 13 लाख 50 हजार रुपये आंकी जा रही है है. आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल दो लग्जरी कार भी बरामद हुई है.

उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बुधवार दोपहर एक बजे बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान गामड़ी एक्सटेंशन निवासी

30 वर्षीय वसीम, 27 वर्षीय अभिषेक, गाजीपुर निवासी 42 वर्षीय महेश चंद्र और 40 वर्षीय ओमपाल सिंह के तौर पर हुई है.

डीसीपी ने बताया कि सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर नारकोटिक्स स्क्वाड के इंस्पेक्टर किरण पाल के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल राजीव, हेड कांस्टेबल आदेश, हेड कांस्टेबल रविंद्र, कांस्टेबल सतीश, कांस्टेबल शुभम और कांस्टेबल बलराज की टीम ने एसीपी विवेक के त्यागी के सुपरविजन में नंद नगरी इलाके से दो संदिग्ध गाड़ियों को रोककर छानबीन की. दोनों गाड़ियों में तलाशी लेने पर उसमें रखे दो प्लास्टिक बैग से 27 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ.

इसके बाद नंद नगरी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों कार में सवार चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. वहीं डीसीपी ने बताया कि गांजा और कार को जब्त कर लिया गया है और आरोपियों से पूछताछ कर उनके स्रोत का पता लगाया जा रहा है.

ड्रग सप्लायर गिरफ्तार, गांजा बरामद

ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम ड्रग तस्करों और उनके आपूर्तिकर्ताओं की जानकारी जुटा रही थी। पुलिस ने 5 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी शाहिद है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि नारकोटिक्स स्क्वाड प्रभारी इंस्पेक्टर किरण पाल की देखरेख में गठित टीम ने थाना खजूरी खास क्षेत्र में गश्त के दौरान काले रंग के बैग के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति को राजीव विहार पुलिया, खजूरी खास, के पास रोका। जांच करने पर उसके बैग के अंदर मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ जिसका कुल वजन 5.00 किलोग्राम पाया गया। थाना खजूरी खास में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

प्रेम प्रसंग के कारण युवक की चाकू घोंपकर हत्या, दो गिरफ्तार

राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में 19-वर्षीय एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में शाहरुख खान (19) और साहिल खान (20) नामक दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किये गये आरोपियों की बहन का मृतक युवक के साथ कथित तौर पर प्रेम संबंध था। मृतक की पहचान हिमांशु के रूप में हुई है। सोमवार रात नौ बजकर 14 मिनट पर संजय कॉलोनी में चाकूबाजी की यह घटना घटी। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि इस अपराध में दोनों भाइयों की मदद करने वाले तीसरे व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

सूत्र के अनुसार, हिमांशु का एक स्थानीय लड़की के साथ प्रेम संबंध था, जो लड़की के भाइयों को

पसंद नहीं था।

सूत्र ने बताया, ''घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गईं। हमने कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान की और उन्हें पकड़ लिया गया।''

मृतक युवक के परिवार ने हत्या के विरोध में सड़क पर उतरकर न्याय की मांग की।

युवक की मां ने रोते हुए कहा, 'मेरे बेटे हिमांशु को उसकी दोस्त के भाइयों ने बेरहमी से मार डाला। उन्होंने ऐसा क्यों किया।'

मृतक की मां ने कहा, 'मेरे बेटे ने अपनी आखिरी सांस लेते हुए मुझसे कहा कि उन्हें मत छोड़ना। मुझे न्याय मिलना चाहिए।'

हिमांशु के पिता जोगिंदर ने बताया कि हमलावरों में से एक ने उसे सामने से पकड़ लिया और दूसरे ने पीछे से उस पर कई बार चाकू घोंपे।

पुलिस ने बताया कि हिमांशु को गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत गोकलपुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।'

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी और मृतक एक-दूसरे को जानते थे तथा एक ही इलाके में रहते थे।

इस बीच क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों और पुलिस की तैनाती कर दी गई है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस के एक सूत्र ने बताया, 'परिवार के सदस्यों ने न्याय की मांग करते हुए सड़क पर यातायात जाम कर दिया। हमने उन्हें बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई पुलिस टीमों और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है।'

बदमाश की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली के मानसरोवर पार्क इलाके में कथित तौर से लूटपाट का प्रयास कर रहे एक बदमाश की चार युवकों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी. पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर हत्या में शामिल चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल ऑटो रिक्शा पीड़ित का मोबाइल फोन बरामद हुआ है.

शाहदरा जिला के डीसीपी प्रसाद गौतम ने बुधवार शाम 5:00 बजे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगतपुरी एक्सटेंशन निवासी 21 वर्षीय नितिन कुमार, मेरठ निवासी अर्जुन कुमार और सोनू व बागपत निवासी शांतनु के रूप में हुई है. सोमवार मानसरोवर पार्क थाना पुलिस को मंडोली रोड पर एक युवक के साथ मारपीट की सूचना मिली. इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, जहां एक युवक बेहोशी की हालत में मिला. युवक को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया.

ऐसे हुई पहचानः पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जीटीवी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. साथ ही हत्या का मुकदमा दर्ज का जांच शुरू की गई. जांच के लिए स्पेशल स्टाफ की एक टीम का गठन किया गया. टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला. साथ ही आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों से पूछताछ की गई, जिससे मृतक की पहचान राजा उल हक के रूप में हुई.

आरोपियों ने किया खुलासाः जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि इस घटना में ऑटो सवार युवक शामिल हो सकते हैं. इसके बाद पुलिस की टीम ने ऑटो की डिटेल के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली. जांच में पता चला कि आरोपी हरिद्वार में छुपे हुए हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए हरिद्वार में छापेमारी कर आरोपी नितिन को शांतनु अर्जुन और सोनू के साथ गिरफ्तार कर लिया गया.

महंगाई के इस दौर में एक रुपए में भरपेट खाना, पांच लाख से अधिक लोग उठा चुके हैं फायदा

एजेंसी

गाजियाबाद।। आजकल के दौर में महंगाई बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है. घर का खर्च चलाना आम आदमी के लिए मुश्किल हो गया है. गरीब आदमी के लिए तो दो वक्त की रोटी का इंतजाम करना भी किसी चुनौती से काम नहीं है. महंगाई के इस दौर में एक रुपए की कोई कीमत नहीं है. आजकल तो 1 का सिक्का देखने तक को नहीं मिलता है. 1 में खाने का सामान मिलाना भी नामुमकिन है. लेकिन गाजियाबाद में 1 में भरपेट भोजन मिलता है. गाज़ियाबाद में एक पंडितजी द्वारा श्री श्याम रसोई संचालित की जाती है. रसोई द्वारा महज एक रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जाता है.

गाजियाबाद की साहिबाबाद इलाके के लाजपत नगर में श्री श्याम रसोई ट्रस्ट द्वारा एक रुपए में भरपेट खाना उपलब्ध कराया जाता है. लाजपत नगर स्थित श्री राम जानकी मंदिर के पुजारी पंडित गोपाल द्वारा श्री श्याम रसोई का संचालन किया जाता है. दोपहर 1:00 से 3:00 तक जीटी रोड स्थित मेट्रो पिलर नंबर 268 के पास भोजन वितरण किया जाता है. यदि किसी व्यक्ति के पास ?1 भी नहीं होता है तो उसे निशुल्क भोजन दिया जाता है. श्री श्याम रसोई का मकसद जरूरतमंद लोगों का पेट भरना है. दोपहर 1:00 बजे से ही भोजन करने वालों की लाइन लगनी शुरू हो जाती है.

जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना उद्देश्यः श्री श्याम रसोई के संचालक पंडित गोपाल पुजारी बताते हैं कि कोरोना काल में जीटी रोड से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर गुजरकर अपने गांव को लौट रहे थे. कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए घर में खाना बनाना शुरू किया, जिसे बाद में मजदूरों को विकसित किया गया. करीब तीन हफ्ते तक खाना बांटने का काम जारी रहा लेकिन बाद में भी अक्सर लोग घर खाना लेने के लिए आ जाते थे. ऐसे में थोड़ा बहुत घर में खाना बनाना शुरू किया, जिससे कि घर खाना लेने आने वाले जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके. इसके बाद मन में विचार आया कि जरूरतमंद लोगों के लिए रसोई की शुरुआत की जाए. शुरुआत में थोड़ा बहुत खाना बनाकर बांटना शुरू किया लेकिन लोगों की संख्या बढ़ती गई तो ज्यादा खाना बनाने लगे.

शर्मिंदगी महसूस ना हो इसलिए एक रुपए लिया जाताः गोपाल पुजारी बताते हैं कि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग भोजन कर सके और किसी को भोजन लेने में शर्मिंदगी महसूस ना हो इसके लिए एक रुपए में भरपेट भोजन वाली थाली की शुरुआत की गई. क्योंकि जब कोई व्यक्ति पैसे देता है तो उसे लगता है कि वह मुफ्त में नहीं खा रहा. करीब तीन साल से श्री श्याम रसोई का संचालन हो रहा है. एक भी दिन बीच में रसोई बंद नहीं हुई. परिवार के लोग ही मिलकर सुबह 8:00 बजे से खाना बनाने में जुट जाते हैं. दोपहर 1:00 बजे से भोजन की शुरुआत होती है जो कि 3:00 बजे तक जारी रहता है.

गोपाल बताते हैं कि कई लोग रसोई में अपना सहयोग देते हैं. लोग कच्चा अनाज दे जाते हैं. आज तक कभी भी रसोई संचालित करने के लिए किसी भी सामान आदि की कमी नहीं पड़ी. दिन प्रतिदिन भोजन करने वालों की संख्या बढ़ रही है. करीब डेढ़ हजार रोटियां प्रतिदिन बनती हैं. शुरुआत में छोटी मशीन रोटियां बनाने के लिए लगाई थी लेकिन बाद में बड़ी मशीन लेकर आए हैं. हमारा मकसद है कि श्याम रसोई देश के हर एक शहर में संचालित की जाए ताकि कोई भी जरूरतमंद भूख ना रहे.

मां की क्रूरता देख हर कोई दंग, बेटी को दी दर्दनाक मौत; बस छोटी सी जिद पर अड़ी थी मासूम

एजेंसी

गाजियाबाद। लोनी कोतवाली क्षेत्र के बाग राणप गांव में 12 साल की बालिका की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोप है कि बच्ची अपनी मौसी के घर जाने की जिद कर रही थी। परेशान होकर मां ने यह कदम उठाया। घटना के दौरान मां और बेटी ही घर में अकेले थे। पुलिस ने दादा की शिकायत पर बालिका की मां के खिलाफ हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मां मानसिक रूप से बीमार है, आगरा से इलाज चल रहा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

घर पर अकेले थी मां और बेटी : गिरी मार्केट के सईद अहमद ने दर्ज एफआईआर में बताया कि उनका बेटा अब्दुल खालिद बाग राणप गांव में परिवार समेत रहते हैं। वह रूप नगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक सिलाई फैक्ट्री में काम करते हैं। अब्दुल खालिद बड़े बेटे अरहम का गुजरात में एडमिशन कराने के लिए गए थे।

मौसी के घर पर था छोटा बेटा : उनकी बेटी आलिया और छोटा बेटा अब्दुल रहमान घर के पास निजी स्कूल में पढ़ते हैं। बेटी छठी कक्षा की छात्रा थी। छोटा बेटा मंगलवार रात को मौसी के घर पर था। उजमा और आलिया घर पर थे। घर अंदर से बंद था। बुधवार सुबह उजमा ने फोनकर बताया कि आलिया मर गई है। सुनते ही अपने बेटे के साथ बाग राणप स्थित मकान में पहुंचे तो देखा आलिया का शव आंगन में पड़ा था। उसके हाथ व पीठ पर चोट के निशान व नाक से झाग निकल रहा था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सिद्धार्थ गौतम, लोनी कोतवाली पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे।

फोरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्र करने के लिए मौके पर बुलाया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दादा सईद अहमद ने उजमा पर बेटी आलिया को मौसी के घर जाने की जिद करने पर ही बेरहमी से पटक पटक कर पीटने और गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की।पुलिस ने हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने की हुई पुष्टि : पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात को मृतक बालिका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर मौत होने की पुष्टि हुई। पीठ में चोट का एक निशान मिला है। वहीं आसपास के लोगों ने बताया कि मंगलवार रात करीब नौ बजे तक बालिका गली में अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी।

इस संबंध में लोनी सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर मौत होने की पुष्टि हुई है। दादा की शिकायत के आधार पर हत्या की धारा में बालिका की मां के खिलाफ हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। पूछताछ की जा रही है।

बेकाबू हो गई कार और पेड़ से जोरदार टक्कर; गाजियाबाद में देर रात 2 दोस्तों की दर्दनाक मौत

एजेंसी

गाजियाबाद के कविनगर थानाक्षेत्र में बुधवार देर रात बेकाबू कार सड़क किनारे पेड़ों से टकरा गई। हापुड़ रोड स्थित कलेक्ट्रेट के सामने हुए हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों युवक अवंतिका के रहने वाले थेम घटना के बाद उनके परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस के मुताबिक बुधवार देर रात डायल-112 पर हापुर रोड स्थित कलेक्ट्रेट भवन के सामने सड़क हादसे की सूचना मिली। कविनगर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक बोलेरो गाड़ी सड़क किनारे पेड़ों से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। घटना के वक्त कार में दो युवक सवार थे, जिन्हें एंबुलेंस से संजय नगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल ले जाया जा चुका था। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान कविनगर थाना क्षेत्र के माया कुंज अवंतिका निवासी 22 वर्षीय आयुष चौहान और अवंतिका फर्स्ट निवासी 19 वर्षीय अर्जुन के रूप में हुई। एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आयुष चौहान मूलरूप से नगर कोतवाली क्षेत्र के भाटिया मोड़ का रहने वाला था।

घटना के वक्त दोनों कहां जा रहे थे, इसका पता लगाया जा रहा है। प्रथमदृष्टया तेज रफ्तार में होने से कार के अनियंत्रित होने से हादसा होने का अंदेशा है। मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

प्रॉपर्टी डीलर ने खुद को मारी गोली, आत्महत्या की वजह जानने में जुटी पुलिस

एजेंसी

गाजियाबाद के लोनी इलाके में एक वारदात सामने आई है। जहां लोनी के थाना ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र के पावी गांव में प्रापर्टी डीलर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। मौत के पीछे के कारण का पता किया जा रहा है। मृतक का नाम जावेद बताया जा रहा है। जिसकी उम्र 32 है और आज सुबह करीब 5 बजे खुद को गोली मार ली।

पुलिस ने बताया कि ग्राम पावी सादकपुर में एक व्यक्ति ने तमंचे से खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके पर आकर देखा और जानकारी ले गई तो पता चला कि जावेद उम्र 32 वर्ष पुत्र नवाब निवासी पावी सादकपुर थाना ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद का रहने वाला है। काफी दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। आज सुबह लगभग 4:45 बजे देसी तमंचा 315 बोर से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। परिजन मौके पर मौजूद है। तमंचा को कब्जे में लिया गया है। पंचायत नामा की कार्रवाई करके शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी में भेजा जा रहा है। फील्ड यूनिट को सूचना दे दी गई है।

किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने वाले दो गिरफ्तार

एजेंसी

लोनी। थाना लोनी पुलिस ने किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़िता के बयान के बाद पाक्सो एक्ट की धारा बढ़ाई गई है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि तीन दिन पूर्व थाना क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाले व्यक्ति ने दो युवकों पर बेटी का बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को बरामद कर लिया था। किशोरी का मेडिकल कराने के बाद दुष्कर्म किए जाने की पुष्टि हुई। पुलिस ने सोमवार रात दोनों आरोपी अर्श उर्फ एश व सरफराज निवासी राशिद अली गेट को बंथला फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने भाई की सहायता से किशोरी को ले जाना और दुष्कर्म करना स्वीकार किया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंदा

एजेंसी

लोनी।। थाना लोनी बार्डर क्षेत्र स्थित लोनी भोपूरा मार्ग पर मंडोली कट के पास मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए नाईपुरा स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। लोनी जावली गांव निवासी पच्चीस वर्षीय विकास उर्फ विक्की अफजलपुर निस्तौली मार्ग स्थित प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते है। उनके बड़े भाई धमेंद्र ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे वह घर से नौकरी पर जाने क लिए निकले थे। गांव से कुछ दूर लोनी भोपूरा मार्ग पर मंडोली कट के पास पहुंचे तो भोपूरा की ओर से तेज गति में आ रहे बेकाबू ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को उपचार के लिए नाई पुरा स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की जानकारी मृतक के परिजन को देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे फुटेज की सहायता से फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही चालक को गिरफ्तार किया जाएगा।

6 वाहन चोर गिरफ्तार, 5 बाइक बरामद

एजेंसी

लोनी। अंकुर विहार थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान अलग अलग स्थानों से छह वाहन चारों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की पांच बाइक बरामद हुई हैं। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि अंकुर विहार पुलिस शुक्रवार बाजार के पास चेकिंग कर रही थी। दो बाइक पर आ रहे चार युवकों को चेकिंग के लिए रोका गया। चेकिंग में बाइक के दिल्ली से चोरी होने का पता चला। पुलिस चारों को थाने ले आई। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम सागर, सुमित निवासी सोनिया विहार दिल्ली, आकाश व नितेश निवासी करावल नगर दिल्ली बताये। इन्होंने बाइक को दिल्ली व गाजियाबाद से चुराना स्वीकार किया। इनकी निशानदेही पर डीएलएफ में छिपा कर रखी गई दो बाइक और बरामद हुई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने सभापुर कट के पास से चेकिंग के दौरान शाहरुख पुत्र वाहिद व शाहरुख पुत्र अफसर निवासी खजूरी दिल्ली को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। एसीपी ने बताया कि वाहन चोरों के खिलाफ थाना लोनी, थाना ट्रोनिका व दिल्ली में पूर्व में भी चोरी और एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे दर्ज है।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के सेनानी के नाम मासिक कार्यक्रम अंतर्गत महान सेनानी सरयू शर्मा की याद मे कार्यक्रम आयोजित

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

मोतिहारी।। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति द्वारा घोषित प्रत्येक माह के प्रथम रविवार की सुबह 10:00 बजे सेनानी के नाम कार्यक्रम अंतर्गत नगर के श्री कृष्णा नगर में महान स्वतंत्रता सेनानी सरयु शर्मा की स्मृति में श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य शशिकला ने की तथा संचालन अशोक वर्मा ने किया ।कार्यक्रम के प्रथम चरण में संयोजक रत्नेश्वरी शर्मा ने सरयू शर्मा के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि चंपारण सत्यापन 1917 मे जब कस्तूरबा गांधी उनके गांव का भ्रमण कर रही थी तो गांव की चुलहिया देवी ने उनसे कहा कि आप एक स्कूल खोलिये जिसमे बच्चे पढ़ाई कर सके। कस्तूरबा ने उस गरीब औरत के सुझाव को स्वीकार किया और बापू से चर्चा कर उन्होंने बडहरवा लखन सेन में 13 नवंबर 1917 को स्कूल खोली।प्रो विजय शंकर पाण्डेय ने गोविंदगंज के थाना कांड पर विस्तार से प्रकाश डाला।अध्यक्षीय भाषण मे शशिकला ने कहा कि सरयू बाबू का योगदान स्वतंत्रता संग्राम में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वे भूमिगत रहकर अंग्रेजों से टक्कर लेते रहे और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए शक्ति बनकर के काम किया।

कार्यक्रम के आरंभ में संचालन के दौरान अशोक वर्मा ने उपस्थित तमाम सेनानी परिवार के सदस्यों का परिचय कराया जिसमें राजर्षि देव के पुत्र ध्रुव त्रिवेदी, बिंदेश्वरी गुप्ता की पुत्री राजकुमारी गुप्ता, भोलाराम तूफानी की पुत्री शशिकला जी एवं पटपरिया के कौशल किशोर पाठक के बारे में विस्तार से बताया ।अशोक वर्मा ने अपने पिता राम औतार प्रसाद वर्मा के बारे मे कहा कि मेरे पिताजी इतने दुबले पतले थे कि जब नमक सत्याग्रह मे गिरफ्तार किए गए तो उनके हाथों से हथकड़ी निकल जाती थी लेकिन उन्होंने पुलिस से हथकड़ी लेकर पहनकर ही जेल गये,और उसमे गर्व महसूस किया। वक्ताओं में कई लोग थे मुख्य रूप से स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र और पुत्रियो ने अपने-अपने पिता माता के योगदान पर चर्चा की ।वक्ताओ ने जेपी सेनानी के तर्ज पर उत्तराधिकारी पेंशन देने की माग सरकार से की।स्काउट गाइड की दो बच्चियों ने स्वतंत्रता सेनानी के योगदान पर प्रकाश डाला।

संबोधित करने वालों में ध्रुव त्रिवेदी ने अपनी सेनानी मा और पिता के योगदान पर प्रकाश डाला।संबोधित करनेवालो मे प्रेम प्रकाश सिंह, दयाल शर्मा, अभिजीत कुमार थे। भारत स्काउट गाइड के राजेश्वर प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।कार्यक्रम की शुरुआत में सेनानी परिवार के सदस्यों के अलावा उपस्थित सभी लोगों ने सेनानी सरयू शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पण कर उन्हे नमन किया तथा उनके परिकल्पना के राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया ।

ई-रिक्शा चोर और रिसीवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी जिला एएटीएस की टीम ने ई-रिक्शा चोर और रिसीवर को किया गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में सरफराज और सुति मिश्रा है। पुलिस ने इनके पास से 3 ई-रिक्शा बरामद किए है।

ई-रिक्शा चोर और रिसीवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार : उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि एएटीएस प्रभारी इंस्पेक्टर योगेश वशिष्ठ की देखरेख में गठित टीम ने वाहन चोरों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए एएसआई सिद्धार्थ, एएसआई उपेंद्र कुमार को सूचना मिली कि एक ऑटो लिफ्टर ताहिरपुर रेड लाइट के पास आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर अपना जाल बिछाया और आरोपी को मौके पर आते ही दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान सरफराज के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पास से एक ई-रिक्शा बरामद किया। बाद में पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी का माल खरीदने वाले सुमित मिश्रा को धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास से एक ई रिक्शा बरामद किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सरफराज पहले भी लूट और चोरी के पांच मामलों में शामिल रहा है।

पढ़ाई के साथ प्रतियोगिताओं में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें विद्यार्थी: कुलपति

अतः विश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

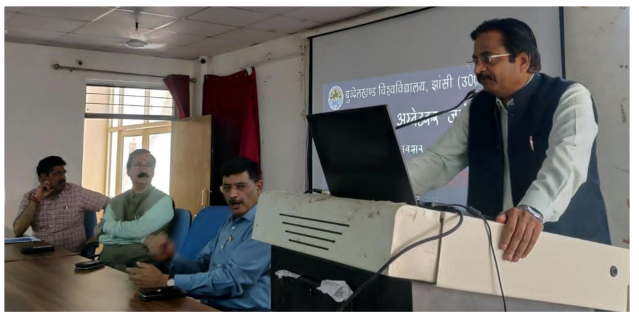

झांसी। संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती से पूर्व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में अतःविश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों के साथ संबद्ध महाविद्यालयों से चयनित छात्रों ने भी प्रतिभाग किया। इससे पूर्व यह प्रतियोगिता महाविद्यालय स्तर पर आयोजित की गई थी।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे ने कहा की विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी रुचि के अनुसार अन्य क्षेत्रों में भी हिस्सा लेना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का सार्वभौमिक विकास होता है। विश्वविद्यालय की ही कई विद्यार्थी अपनी कला के दम पर राजभवन तक की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वह अपने सहपाठियों को भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। कुलपति ने बाबासाहेब के व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों से कहा कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े।

बाबा साहब के सपनों को साकार करें: मुख्य अतिथि भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन रचना, सृजन और संघर्ष का अप्रतिम उदाहरण है। शिक्षा से सामाजिक विकास और न्याय का सपना उन्होंने देखा था। हमारी जिम्मेदारी है कि हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए जुट जाएं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण करते हुए छात्रहितों का विशेष ध्यान रखा। संविधान लिखते समय हर वर्ग का ध्यान रखा। आप सभी को उनकी राह पर चलकर सामाजिक समरसता का माहौल बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन और अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना तिवारी द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति आभार डॉक्टर श्रीहरि त्रिपाठी ने ज्ञापित किया।

इस अवसर पर डॉ. विपिन प्रसाद, डॉ. सुधा दीक्षित, डॉ. शैलेन्द्र तिवारी, डॉ. पुनीत श्रीवास्तव, डॉ. द्युति मालिनी, डॉ. राघवेंद्र द्विवेदी, डॉ. रामनरेश दुहेलिया, डॉ. रेनू शर्मा, आशुतोष शर्मा, ऋचा सेंगर, गरिमा, आकांक्षा आदि उपस्थित रहे।

आबू रोड: देश-विदेश से पहुंचे हजारों लोगों ने दादी जी को दी श्रद्धांजली

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

आबू रोड, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका 101 वर्षीय दादी रतनमोहिनी के देहावसान का समाचार मिलते ही देश-विदेश से लोगों का पहुंचना जारी है। साथ ही देशभर से नेताओं, अभिनेता, संत-महात्मा और महामंडलेश्वर ने शोक संदेश भेजकर दादी के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। बुधवार को मुख्यालय शांतिवन से माउंट आबू के लिए बैकुंठी यात्रा निकाली गई। रास्तेभर में सामाजिक संगठनों और आमजन ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

गुरुवार को सुबह 9 बजे शांतिवन के सरस्वती भवन के सामने गार्डन में अंतिम संस्कार किया जाएगा। बता दें कि दादी रतनमोहिनी ने सोमवार रात्रि 1.20 बजे अहमदाबाद के जॉइडिस अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। कॉन्फ्रेंस हॉल में पिछले दो दिन से अखंड योग-साधना का दौर जारी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने दादी के देहावसान पर दुख जताते हुए लिखा कि दादी ने पूरे जीवन में हजारों युवा बहनों के प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण कार्य निभाया। भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रचार के लिए कई पदयात्राएं कीं। दादी को भावपूर्ण श्रद्धांजली। इसके पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शोक संदेश भेजकर दुख जताया और दादीजी की सेवाओं को समाज कल्याण के लिए अनुकरणीय बताया।

पाकिस्तान से आए सिंधी तीर्थयात्रियों ने दादी को दी श्रद्धांजलि : पाकिस्तान के सिंध प्रान्त से भारत भ्रमण पर आए शदाणी दरबार के 300 श्रद्धालु मुख्यालय शांतिवन पहुंचे, जहां पर उन्होंने दादी को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी से मुलाकात की। इस मौके पर अतिरिक्त महासचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई, रायपुर शदाणी दरबार के सन्त सत्यव्रत शदाणी, इन्दौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी, रायपुर संचालिका बीके सविता दीदी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

हम सबके भीतर सुपर पावर छुपा हुआ है उसे जागृत करने की जरूरत है : ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

रायपुर,छत्तीसगढ़: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षाविद सेवा प्रभाग के द्वारा ब्रह्मविद द ग्लोबल स्कूल भाठागांव में विद्यार्थियों को ज्ञानअर्जन कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी और सिमरन दीदी ने अपने भीतर के सुपर हीरो की पहचान (अनलॉक द हीरो विदिन यू) विषय पर व्याख्यान दिया।

राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज तक हमने जितने भी सुपर हीरो के बारे में सुना या पढ़ा है वह सब रियल नहीं बल्कि फिल्म टीवी या सोशल मीडिया की उपज थे परन्तु अब हमें रियल लाईफ में सुपर हीरो बनकर दिखाना है। रियल हीरो बनने के लिए हमें अपने भीतर के सुपर पावर को जानना होगा। हम सबके व्यक्तित्व में साहस और सद्गुणों के रूप में एक हीरो छिपा हुआ है। उसे पहचानकर समय पर उपयोग में लाने की जरूरत है। सुपर पावर को जागृत करने के लिए हमारे अन्दर आत्मविश्वास का होना आवश्यक है। उन्होंने आगे बच्चों को प्रेरणा देते हुए बतलाया कि कैसे और कब किस सद्गुण को उपयोग में लाने की जरूरत है? जब कक्षा में बैठें तो अच्छे श्रोता (गुड लिसनर्स) बनकर बैठें। अनुशासित और एकाग्रचित्त होकर टीचर की बातों को सुनें। घर में जब जाएं तो रिसपेक्टफुल होकर रहें और सबसे आदरपूर्वक व्यवहार करें। दोस्तों के साथ हेल्पफुल होकर रहें और एक-दूसरे की मदद करें। आपका व्यवहार ऐसा मधुर हो कि सब वाह-वाह करें और कहें कि बच्चा हो तो आपके जैसा हो। उन्होंने बच्चों से पूछा कि आप सुपर हीरो में कौन सी विशेषताएं देखते हैं और आपकी नजरों में सुपर हीरो कौन हो सकता है? इस पर बच्चों ने बहुत ही सुन्दर-सुन्दर जानकारी देते हुए बतलाया कि सुपर हीरो में दूसरों की मदद करने का गुण होना चाहिए। वह सच्चा और साफ दिल वाला हो। ईमानदार हो। उसके अन्दर दयाभाव होना चाहिए। वह हिम्मतवान और बहादुर हो।

ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने बच्चों को विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी कराते हुए उन्हें यह महसूस कराया कि उनके अन्दर सुपर पावर और सुपर वेल्यूज मौजूद है। उन्हें उसे जागृत करना है। अन्त में ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने बच्चों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया।

चीकू खाएं और स्वास्थ्य के भरपूर फायदे पाएं

चीकू एक ऐसा फल है जो स्वाद में रसीला और मीठा होने के साथ-साथ स्वास्थ्यवर्धक भी होता है। चीकू आजकल लगभग पूरे साल ही बाज़ार में मिल जाता है। शरीर में अगर पानी की कमी होती है तो चीकू खाने से डिहाइड्रेशन दूर होने के साथ-साथ पौष्टिकता भी मिलती है। चीकू की तासीर ठंडी होती है।

आयुर्वेद के अनुसार चीकू में अनगिनत लाभ हैं। चीकू में विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है। तो चलिए आगे चीकू के गुणों और फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं...

अतिसार या दस्त रोके चीकू : अक्सर खाने-पीने में बदलाव या असंतुलन होने पर दस्त होने लगते हैं। ऐसे समय पर पका हुआ चीकू खाने से दस्त से राहत मिलती है।

फोड़ों को सुखाने में फायदेमंद चीकू : कभी-कभी कोई घाव या फोड़ा सूखने का नाम नहीं लेता है। कच्चे चीकू के फल को पीसकर फोड़ों पर लगाने से फोड़े पककर फूट जाते हैं। इस तरह से चीकू फोड़ों को ठीक करने में मदद करता है।

कमज़ोरी दूर करे चीकू : आमतौर पर शरीर में सही पौष्टिकता की कमी या बहुत दिनों से बीमार रहने के कारण भी कमज़ोरी होती है। चीकू ऐसी कमज़ोरी को कम करने में मदद करता है। चीकू के 1-2 फलों का नियमित सेवन करने से शरीर पुष्ट होता है तथा दुर्बलता कम होती है। कमज़ोरी दूर करने में चीकू का सेवन बहुत ही फायदेमंद सिद्ध होता है।

पित्त को करे कम : पित्ताश्य में बैक्टिरीयल इंफेक्शन होने के कारण ये बीमारी होती है। चीकू के औषधिपरक गुण पित्त को संतुलित करने में मदद करते हैं। चीकू का सेवन करने से पित्त के कारण जो समस्याएं होती हैं उससे आराम मिलता है।

बुखार में फायदेमंद चीकू : कभी-कभी बिना किसी कारण के बुखार कम होने का नाम नहीं लेता है। चीकू की छाल का काढ़ा बनाकर 5-10 मिली मात्रा में पिलाने से जीर्ण ज्वर में लाभ होता है। बुखार से जल्दी राहत मिलने में चीकू का काढ़ा बहुत ही फायदेमंद होता है।

सूजन की समस्या में चीकू का प्रयोग : चीकू के फायदे किसी भी प्रकार की सूजन को कम करने में सहायता करते हैं। सूजन को कम करने के लिए चीकू को कूटकर थोड़ा गर्म करके सूजन वाले जगह पर लगाने से दर्द और सूजन दोनों कम होते हैं।

आँखों के लिए चीकू के फायदे : चीकू का सेवन आँखों के लिए फायदेमंद होता है। एक रिसर्च के अनुसार चीकू में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो कि आँखों को स्वस्थ बनाये रखने में सहायक होता है, विशेष रूप से अधिक उम्र वाले लोगों के लिए।

हड्डियों के लिए फायदेमंद : चीकू का सेवन हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि इसमें शक्तिवर्धक गुण होता है जोकि शरीर की कमज़ोरी को दूर करता है साथ ही इसमें प्रचुर मात्रा में कैल्शियम, आयरन और अन्य मिनरल पाए जाते हैं जोकि हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं।

कब्ज में चीकू के फायदे : चीकू कब्ज को दूर करने का भी अचूक उपाय है क्योंकि चीकू में फाइबर ज़्यादा होता है साथ ही इसमें विरेचक का भी गुण होता है। इस गुण के कारण चीकू कब्ज को दूर कर पाचन तंत्र को सेहतमंद बनाने में मदद करता है।

स्किन को हेल्दी बनाने में फायदेमंद : चीकू स्किन को हेल्दी बनाये रखने में भी सहायक होता है, क्योंकि इसमें रोपण यानी हीलिंग का गुण पाया जाता है जोकि स्किन के घाव को जल्दी भर देता है। साथ ही चीकू बढ़ती उम्र के कारण स्किन पर होने वाले परिवर्तनों को भी रोकने में सहायक होता है।

दिमाग को शांत रखने में चीकू के फायदे : चीकू खाने से दिमागी थकावट दूर होती है और दिमाग को शांत रखने में सहायता मिलती है। चीकू में प्रचुर मात्रा में मिनरल और विटामिन हैं जो दिमाग को काम करने के लिए ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे दिमागी थकावट नहीं होती।

नोट- अगर आप किसी खास बीमारी के इलाज के लिए चीकू का उपयोग कर रहे हैं तो आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह ज़रूर लें।

अफवाहों का कहर

एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी के बारे में अफवाह फैला दी कि वह चोर है। पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया गया, पर वह निर्दोष साबित हुआ। अब उसने उस व्यक्ति पर गलत आरोप लगाने का मुकदमा दायर किया। अदालत में व्यक्ति ने जज से कहा वे सिर्फ अफवाहें थी, उन्होंने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया। जज ने कहा- युवक के बारे में तुमने जो भी बातें कहीं उन्हें उसे कागज पर लिख लो। फिर वह कागज को अनेक टुकड़ों में काट दो और घर जाते समय उन्हें बाहर फेंक दो। कल सजा सुनाई जाएगी। अगले दिन जज ने कहा- उन सभी टुकड़ों को बटोर लाओ, जिन्हें तुमने कल फेंक दिया था। आदमी ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। हवा ने उन्हें तितर-बितर कर दिया होगा और मुझे नहीं पता उन्हें कहां ढूँढू। जज ने कहा अफवाहें भी किसी व्यक्ति के सम्मान को इतना नष्ट कर सकती हैं कि कोई उसे ठीक नहीं कर सकता। आदमी को गलती का अहसास हुआ और सभी से माफी मांगी।

स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है। एक स्वस्थ शरीर और मन ही हमें जीवन के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। स्वास्थ्य के लिए हमें अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए, नियमित व्यायाम करना चाहिए और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

गर्मियों में शरीर को ठंडा रखता है लौकी का जूस! पेट की समस्याओं के लिए रामबाण, झटपट करें तैयार

गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने वाली चीजों का सेवन करना चाहिए. अक्सर लोग इस मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स और ठंडी ड्रिंक्स पीना पसंद करते हैं, लेकिन लौकी का जूस इन सभी चीजों से भी ज्यादा लाभकारी हो सकता है. लौकी के जूस में पोषक तत्वों का खजाना होता है और इसका सेवन करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है. लौकी का जूस पेट को ठंडा रखता है और पाचन तंत्र को सुधारता है. लौकी का जूस नियमित रूप से पीने से स्किन पर निखार आता है.

यूएस के नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (NCBI) की रिपोर्ट के मुताबिक गर्मियों में अक्सर शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है. लौकी का जूस शरीर को ठंडा रखता है और पानी की कमी को दूर करता है. यह प्राकृतिक रूप से शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखता है. लौकी का जूस पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इस जूस में अच्छी मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. कब्ज, एसिडिटी या पेट की अन्य समस्याएं हैं, तो लौकी का जूस राहत दिला सकता है. यह पेट की सफाई भी करता है और अपच को दूर करता है.

लौकी का जूस पीने से पेट को ठंडक मिलती है और सेहत को कई गजब के फायदे मिलते हैं. यह जूस हार्ट हेल्थ के लिए लाभकारी होता है और डायबिटीज को भी कंट्रोल करता है.

गर्मियों में स्किन को हेल्दी और चमकदार रखने के लिए लौकी का जूस फायदेमंद हो सकता है. गर्मियों में त्वचा पर पसीना और धूल-मिट्टी जमा हो जाती है, जिससे स्किन की परेशानियां बढ़ने लगती हैं. लौकी के जूस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और पानी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, जिससे त्वचा पर निखार आता है. यह झुर्रियों को भी कम करने में मदद करता है. रोज लौकी का जूस पीने से त्वचा में चमक बनी रहती है और मुंहासों की समस्या कम होती है.

लौकी का जूस दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. इसमें मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स बीपी कंट्रोल करते हैं और ब्लड फ्लो सुधारते हैं. इससे हार्ट हेल्दी रहता है.

लौकी का जूस किडनी के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है. यह शरीर से जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है. लौकी का जूस पीने से किडनी स्टोन से राहत मिल सकती है, क्योंकि यह ड्यूरेटिक गुणों से भरपूर होता है.

यह जूस डायबिटीज को नियंत्रित करने में मदद करता है. अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो लौकी का जूस अच्छा विकल्प हो सकता है. लौकी का जूस कम कैलोरी और पानी भरपूर होता है. इससे शरीर को ताजगी मिलती है.

सिर्फ 15 दिन रोज मुट्ठीभर खाएं भुने हुए चने, बुढ़ापे में भी आ जाएगी जवान!

शरीर को ताकतवर और एनर्जेटिक बनाए रखने के लिए हमें अच्छे खान-पान की जरूरत होती है. कई चीजों में ऐसे तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर को मजबूत बनाते हैं और बीमारियों से बचाते हैं. अगर आप शारीरिक रूप से कमजोरी महसूस कर रहे हैं, तो रोज एक मुट्ठी भुने चने खाना शुरू कर सकते हैं. भुने चना को सेहत के लिए वरदान माना गया है. इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और मिनरल्स का खजाना होता है, जो शरीर को ताकतवर बनाता है. घोड़े जैसी ताकत और चीते जैसी फुर्ती के लिए आप रोज भुने चने खा सकते हैं. भुने चने खाने से सेहत को गजब के फायदे मिलते हैं.

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने बताया कि भुना चना प्रोटीन से भरपूर होता है और शाकाहारी लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है. प्रोटीन हमारी मसल्स के लिए बहुत जरूरी होता है. प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और शरीर की मरम्मत की प्रक्रिया में मदद करता है. रोज एक मुट्ठी भुना चना खाने से शरीर को आवश्यक प्रोटीन मिल सकता है, जिससे थकान और कमजोरी से छुटकारा मिल सकता है. भुना चना शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट करने में मददगार होता है. इसमें मौजूद आयरन, जिंक और अन्य पोषक तत्व शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं.

भुने हुए चने खाने से शरीर में अटूट ताकत आ सकती है. भुने चने पोषक तत्वों का भंडार होता है और रोज एक मुट्ठी चने खाने से गजब के फायदे मिल सकते हैं. भुने चने डायबिटीज के मरीज भी खा सकते हैं.

एक्सपर्ट ने बताया कि भुने चने में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है. यह कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है और पेट की सफाई में भी मददगार होता है. जिन लोगों को बार-बार पेट की समस्याएं होती हैं, उनके लिए भुना चना एक अच्छा घरेलू उपाय है. भुने चने में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, आयरन और विटामिन्स त्वचा को हेल्दी और चमकदार बनाते हैं. भुने चने बालों को भी मजबूती देते है और बालों को झड़ने से रोकते हैं. अगर आप अपनी स्किन और बालों को बेहतर बनाए रखना चाहते हैं, तो भुने चने खाना शुरू कर सकते हैं.

डाइटिशियन के अनुसार भुने चने हार्ट हेल्थ को बूस्ट कर सकते हैं. इनमें पाया जाने वाला मैग्नीशियम और फोलेट ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है. भुने चने कोलेस्ट्रॉल पर भी लगाम लगाते हैं. इसके नियमित सेवन से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है. भुना चना लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स फूड है और इसे खाने से शुगर लेवल तेजी से नहीं बढ़ता है. रोज एक मुट्ठी भुने चने खाने से ब्लड शुगर स्टेबल रहता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी भी बेहतर होती है. भुने हुए चने खाने से वेट लॉस में मदद मिल सकती है.

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम के बावजूद चढ़ गया चीन का बाजार, जानिए कहां से मिली संजीवनी

एजेंसी

नई दिल्ली।। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 54 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी जिसे फिर बढ़ाकर 104% कर दिया गया था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 84 फीसदी कर दिया था। ट्रंप ने अब चीनी सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 125% कर दिया है। हालांकि उन्होंने बाकी देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की मोहलत दे दी है। इससे अमेरिका के शेयर बाजारों में बुधवार को ऐतिहासिक तेजी आई। इसका असर आज एशियाई बाजारों पर भी दिख रहा है। जापान का निक्केई बाजार खुलते ही 10 फीसदी उछल गया। इसी तरह दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया

और सिंगापुर के शेयर बाजारों में तेजी का माहौल है। लेकिन टैरिफ बढ़ने के बाद भी चीनी बाजारों में तेजी दिख रही है। भारत में शेयर बाजार महावीर जयंती के कारण बंद हैं।

ट्रंप की चीनी सामान पर 125 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा के बावजूद चीन के शेयर बाजारों में तेजी आई है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि सरकारी कंपनियां बाजारों में स्थिरता लाने के लिए इक्विटी में अपना निवेश बढ़ा रही हैं। चीन के सेंट्रल बैंक ने हाल में कहा कि वह सरकारी कंपनी सेंट्रल हुइजिन इनवेस्टमेंट को इंडेक्स फंड्स में होल्डिंग्स बढ़ाने के लिए सपोर्ट कर रहा है और अगर जरूरत पड़ी तो वह री-लेंडिंग सपोर्ट भी देगा। गुरुवार को ब्लू-चिप Shanghai Shenzhen CSI 300 में 1.2% की तेजी आई जबकि Shanghai Composite भी 1% उछल गया। हॉन्ग कॉन्ग का Hang Seng भी करीब 3% तेजी के साथ ट्रेड कर रहा था।

चीन के लिए अमेरिका की अहमियत : कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में चीन में महंगाई में अनुमान से ज्यादा गिरावट आई जो इस बात का संकेत है कि अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर गहराने के बीच घरेलू खर्च पर दबाव है। प्रॉड्यूसर प्राइसेज में भी मार्च में गिरावट देखने को मिली है। चीन के लिए अमेरिका सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि अमेरिका के लिए चीन उसका दूसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। चीनी सामान पर टैरिफ बढ़ने से अमेरिका में महंगाई बढ़ने और मंदी आने का खतरा मंडरा रहा है। यही कारण है कि हाल के दिनों में दुनियाभर के शेयर बाजारों में काफी गिरावट आई है।

गजब! दर्द से तड़पी, दो बार रिटायर्ड हर्ट, मैदान से स्ट्रेचर पर लद कर गई, फिर लौटी और जड़ दिया तूफानी शतक

एजेंसी

नई दिल्ली।। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने महिला वर्ल्ड कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड के खिलाफ यह प्रदर्शन किया। उन्होंने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में अच्छा किया। इस दौरान उन्हें चोट भी लगी और उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया।

हालांकि, मैथ्यूज ने हार नहीं मानी। टीम के लिए वह मैदान पर वापस लौटीं और फिर तूफानी अंदाज में शतक ठोक दिया। हालांकि, उनकी मेहनत बेकार गई, क्योंकि स्कॉटलैंड

ने मैच जीत लिया। मैथ्यूज ने पहले गेंदबाजी में 4 विकेट लिए और फिर बल्लेबाजी में शतक बनाया। उनकी टीम 11 रन से हार गई।

मैच लाहौर में खेला गया। यह 2025 महिला वर्ल्ड कप क्वालीफायर का हिस्सा था। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 44 ओवर में 245 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 234 रन ही बना पाई। मैच में पहले स्कॉटलैंड ने बल्लेबाजी की। उनकी शुरुआत अच्छी रही। लेकिन बाद में उनकी टीम लड़खड़ा गई। एक समय उनका स्कोर 34 ओवर में 182 रन पर 4 विकेट था। लग रहा था कि वे बड़ा स्कोर बनाएंगे। वे 245 रन ही बना पाए। यह उनका तीसरा सबसे बड़ा ODI स्कोर था। जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। उन्होंने दूसरे ओवर में ही अपना पहला विकेट खो दिया। कियाना जोसेफ जल्दी आउट हो गईं। लेकिन इसके बाद हेली मैथ्यूज और जैदा जेम्स ने मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने 113 रनों की साझेदारी की। फिर स्कॉटलैंड ने वापसी की। उन्होंने जल्दी-जल्दी कई विकेट लिए। वेस्टइंडीज का स्कोर 203 रन पर 9 विकेट हो गया। मैथ्यूज को भी परेशानी हो रही थी। उन्हें गंभीर ऐंठन हो रही थी। इसलिए वह दो बार 95 और 99 के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हुईं।

मन की शांति स्वयं के सुख से अधिक, दूसरों के दु:ख हरकर उन्हें सुखी बनाने से मिलती –ब्र.कु. रामसिंह, रेवाड़ी(हरियाणा)

एक राजा सदा उदास रहता था। लाख कोशिश करने के बावजूद उसे शांति नहीं मिलती थी। एक बार राजा के नगर में एक संत आया। संत के ज्ञानपूर्ण उपदेश से राजा बहुत प्रभावित हुआ। राजा ने संत से पूछा- मैं राजा हूँ, मेरे पास सब कुछ है, किंतु फिर भी मेरे मन में शान्ति नहीं है। मुझे क्या करना चाहिए?

संत ने कहा:- आप एकांत में बैठकर मनन-चिंतन करें। राजा अगले दिन से ही प्रभात के समय अपने कक्ष में आसन जमाकर बैठ गया। कुछ देर बाद ही उसके महल का एक कर्मचारी सफाई के लिए उधर आया।

राजा उससे बात करने लगा। कर्मचारी से राजा ने उसकी परेशानियां पूछी, जिन्हें सुनकर राजा का दिल भर आया। इसके बाद राजा ने हर कर्मचारी के कष्ट व दुःखों का पता लगाया। सभी कर्मचारियों की व्यथा सुनने के बाद राजा ने निष्कर्ष निकाला कि वेतन कम होने से सभी आर्थिक रूप से त्रस्त थे।

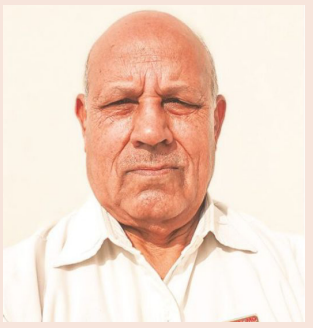

राजा ने तत्काल उनके वेतन में वृद्धि कर दी, जिससे वे सभी खुश हो गए और राजा के प्रति

आभार व्यक्त किया। अगले दिन जब राजा की संत से भेंट हुई तो उन्होंने पूछा- राजन, आपको कुछ मन की शांति की प्राप्ति हुई?

राजा बोला- मुझे पूर्ण रूप से तो शांति नहीं मिली, परंतु जब मैंने मनुष्यों के दुःखों के स्वरूप को जाना है, मेरे मन से अशांति धीरे-धीरे जा रही है।

तब संत ने समझाया- राजन, आपके मन की शांति के मार्ग को खोज लिया है। बस उस पर आगे बढ़ते जाएं क्योंकि एक राजा तभी प्रसन्न और शांत रह सकता है, जब उसकी प्रजा सुखी हो। कहने का भाव यही है कि मन की शांति स्वयं के सुख से अधिक, दूसरों के दुःख हरकर उन्हें सुखी बनाने से मिलती है। इसलिए यथाशक्ति सदा दूसरों को मदद करते रहें।

मन को शांतचित्त कर लेना, यह भी शक्ति है : मन को शान्तचित्त कर लेना अर्थात् आत्म-नियंत्रण बना लेना, यह भी एक शक्ति है क्योंकि मन हमारी आत्मा की सूक्ष्म कर्मेंद्रिय है। कोई भी व्यक्ति आत्म-नियंत्रण की शक्ति को रातों-रात हासिल नहीं कर सकता। यह शक्ति सहनशीलता की सभी सीमाएं छूकर, उन्हें पार करके ही मिलती हैं।

इस शक्ति का प्रदर्शनः किसी ऐसे हालात से प्रभावित न होना और किसी के उकसावे से दूर रहना अर्थात् आत्म-नियंत्रण शक्ति का इस तरह का प्रदर्शन जिसमें प्रतिक्रिया या तो बिल्कुल ही नहीं होगी या फिर बहुत ही नियंत्रित ढंग से होगी। यदि इसकी गहराई में जाएंगे तो पाएंगे कि आत्म-नियंत्रण के लिए मन को साधना ज़रूरी है।

समस्याएं कमज़ोर मन की रचना हैं : जो व्यक्ति अपने मन की स्थिति को कंट्रोल कर सकता है, वह अपने जीवन की भी परिस्थिति को कंट्रोल कर सकते हैं। समस्या कुछ और नहीं है, यह तो हमारे कमज़ोर मन की रचना है। प्रार्थना करते समय व्यक्ति का मंदिर में होना ज़रूरी नहीं, परंतु उसके मन में ईश्वर का होना अति आवश्यक है। कभी-कभी मन को मना लेना ही बेहतर होता है क्योंकि हर बार जिद्द खुशी नहीं देती।

मन का शांत रहनाः भाग्य है, मन का वश में रहना- सौभाग्य है, मन से भगवान को याद करना- अहो भाग्य है और जब भगवान ही आपको याद करें, वह तो परम सौभाग्य है।

मन में सदा शुभचिंतन ही चले : कहा जाता है कि तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए दवाई है- शुभचिंतन। इसलिए शुभचिंतक बन सबसे दुआएं कमाओ। मन में सदा श्रेष्ठ विचार, कल्याणकारी भावनाएं और अच्छे अहसासों को ही जगह दें, ताकि दिमाग में सदा पॉजिटिव तरंगों का ही उदय हो। अस्थिर मन वाले व्यक्ति की सोच भी स्थिर नहीं रहती क्योंकि जो किसी के मन में रहता है, वह दूर रहकर भी पास है। लेकिन जो मन में नहीं रहता वह पास रहकर भी बहुत दूर है। एक कोमल मन से ज़्यादा आकर्षण के और कुछ नहीं हो सकता।

जिस नाववाले ने महाकुंभ में कमाए 30 करोड़, उसे मिल गया इनकम टैक्स नोटिस

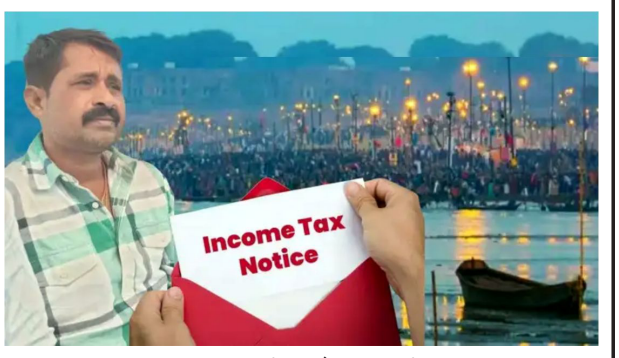

नई दिल्ली।। प्रयागराज के अरैल गांव के नाविक पिंटू महरा महाकुंभ के बाद से चर्चा में हैं। उन्होंने मेले के दौरान जोरदार कमाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि एक नाविक परिवार ने 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में चले महाकुंभ के दौरान केवल 45 दिनों में 30 करोड़ रुपये कमाए। इस खबर के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ गई और खबरें आईं कि नाविक को आयकर विभाग से टैक्स नोटिस मिला है। इस नोटिस में उनसे 12.8 करोड़ रुपये का टैक्स मांगा गया है। यह मामला वन-टाइम हाई इनकम और उस पर लगने वाले टैक्स को लेकर कई सवाल खड़े करता है।

प्रयागराज के रहने वाले नाविक पिंटू महरा की किस्मत महाकुंभ के दौरान पलट गई। रोजाना 500 रुपये कमाने वाले पिंटू ने 45 दिनों में 30 करोड़ रुपये कमाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में इस बात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 130 नावों वाले परिवार ने कुल 30 करोड़ रुपये कमाए। यानी हर नाव से रोजाना 50,000-52,000 रुपये की कमाई हुई। पहले जहां एक नाव से 1,000-2,000 रुपये रोजाना मिलते थे, वहीं महाकुंभ में यह कमाई कई गुना बढ़ गई। लेकिन, इस खुशी के बाद पिंटू पर आफतों का पहाड़ टूट पड़ा। उन्हें आयकर विभाग से 12.8 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला। यह नोटिस आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 4 और 68 के तहत भेजा गया। इस घटना ने अनियोजित आय पर टैक्स के मुद्दे पर बहस छेड़ दी है। दरअसल, पिंटू ने खुलासा किया था कि उन्होंने और उनके परिवार ने महाकुंभ के दौरान नावों के बेड़े के संचालन के जरिये केवल 45 दिनों में 30 करोड़ रुपये की कमाई की।

ऐपल को आईफोन बनाने का कितना खर्च आता है, क्या चीन पर टैरिफ के बाद बढ़ जाएगी कीमतें?

नई दिल्ली।। आप यदि ऐपल का आईफोन खरीदने जाएं, वह भी लेटेस्ट वर्जन (16 Pro Max), तो आपको करीब डेढ़ लाख रुपये चुकाने होंगे। आईफोन 16 की कीमत भी 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये के बीच है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि एक iPhone बनाने में Apple को कितना खर्चा आता है? असल में, यह उस कीमत से काफी कम है जो हम दुकान पर चुकाते हैं। लेकिन अगर US के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी टैरिफ योजना को लागू करते हैं, तो यह बदल सकता है।

अभी 50 हजार में बन जाता है 16 प्रो : द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक नई रिपोर्ट में iPhone 16 Pro बनाने की लागत बताई गई है। Apple को 256GB iPhone 16 Pro बनाने में लगभग $580 (लगभग 50,000 रुपये) खर्च होते हैं। इसमें A18 Pro चिप ($90.85), रियर कैमरा सिस्टम ($126.95), डिस्प्ले ($37.97) और अन्य पार्ट्स शामिल हैं। Apple इस फोन को अमेरिका में $1,099 में बेचता है। मार्केटिंग, रिसर्च, पैकेजिंग और शिपिंग के खर्चों के बाद भी Apple को अच्छा मुनाफा होता है। ट्रम्प द्वारा चीन से आयातित सामानों पर प्रस्तावित 54% टैरिफ के कारण चीजें महंगी हो सकती हैं।

दुनिया भर से आते हैं ऐपल के पुर्जे : लेकिन यहां मामला थोड़ा पेचीदा है। Apple के पार्ट्स-पुर्जे दुनिया भर के देशों से आते हैं। iPhones को चीन और भारत में जोड़ा जाता है। इसका मतलब है कि ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 54% टैरिफ पूरी मैन्युफैक्चरिंग लागत पर लागू होगा, न कि रिटेल कीमत पर। टैरिफ के साथ, Apple को उसी फोन को बनाने की लागत लगभग $847 (73,379 रुपये) तक बढ़ जाएगी। यह मुनाफे में एक बड़ी गिरावट है। और वास्तव में, Apple शायद अतिरिक्त लागत को खुद नहीं सहेगा।

तो क्या बढ़ जाएंगी कीमतें : जान लीजिए, ट्रंप के टैरिफ का आपके लिए क्या मायने हैं। दरअसल, टैरिफ लागू होने के बाद iPhone की कीमतें बढ़ सकती हैं। खासकर अगर Apple अतिरिक्त लागत का कुछ या अधिकांश हिस्सा ग्राहकों पर डालने का फैसला करता है। मान लीजिए कि आप एक नया iPhonI खरीदना चाहते हैं। अभी उसकी कीमत 80,000 रुपये है। अगर ट्रम्प का टैरिफ लागू हो जाता है, तो उसी iPhone की कीमत 95,000 रुपये या उससे भी ज्यादा हो सकती है। यह एक बड़ा अंतर है। कुछ लोग कह सकते हैं कि Apple को खुद ही अतिरिक्त लागत को सहना चाहिए। लेकिन ऐप्पल एक बिजनेस है, और उसे मुनाफा कमाना होता है। इसलिए, यह संभावना है कि Apple कीमतों में वृद्धि करेगा।

हिना खान पर छाया लाल खुमार, तस्वीरों में दिखाई ऐसी अदाएं कि फैंस बोले- हुस्न तेरा तौबा

हिना खान इस वक्त जिंदगी में बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं, पर उन्होंने चेहरे पर मुस्कान बिखेरनी नहीं छोड़ी है। वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं और कीमोथेरेपी भी हो चुकी है। लेकिन इस तकलीफ के बावजूद हिना खान ने फैंस को निराश नहीं किया। जहां उन्होंने अपने हर मुश्किल पल को फैंस के साथ साझा किया, वहीं दिलकश तस्वीरें भी शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने कुछ और तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आ लगा दी है।

हिना खान ने लाल रंग के गाउन में तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आग लगा दी है। फैंस हिना खान की खूबसूरती और किलर अंदाज पर मर-मिटे हैं। कोई उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है, तो कोई उनके हौसले की।

37 साल की हिना खान ने रेड कलर का गाउन और नेकलेस पहनकर अपनी स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। उन्होंने तस्वीरें अपने अकाउंट पर शेयर की हैं, और हर तस्वीर में अलग अदा और नजाकत है। हिना के इस खूबसूरत अवतार को देख फैंस खुशी से झूम उठे, और सेलेब्स भी रिएक्ट कर रहे हैं।

हिना की तस्वीरों पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ : हिना खान की इन तस्वीरों को सवा दो लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और हजारों कमेंट्स आए हैं। एक फैन ने लिखा, 'तुम क्वीन हो हिना।' एक कमेंट है, 'जब भी हिना बाहर निकलती हैं और भी कमाल की लगती हैं। कैसे कर लेती हो?' एक अन्य फैन ने लिखा, 'हुस्न तेरा तौबा तौबा।' एक का कमेंट है, 'हिना खान इज़ बैक।'

कुछ यूजर्स ने किया ट्रोल- अल्लाह से डरो : लेकिन कुछ यूजर्स ने हिना खान की आलोचना भी शुरू कर दी, और उन्हें कपड़ों की तमीज सिखाने लगे। एक ने लिखा, 'अल्लाह से डरो, तौबा करो।' एक और कमेंट है, 'खुदा का खौफ नहीं।' लेकिन हिना ने कभी भी ट्रोल्स को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, और हमेशा वही किया जो दिल ने चाहा। तभी तो, जब हिना खान रमजान में उमराह के लिए गईं, तो भी उन्हें ट्रोल किया गया था, और कहा गया कि बीमार होने पर भी वह इतना घूम रही हैं। पर फैंस ने एक्ट्रेस का बचाव किया था।

तीसरे स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रहीं हिना खान

इस वक्त हिना खान तीसरे स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने जून 2024 में फैंस के साथ यह बुरी खबर शेयर की थी। इसके बाद एक्ट्रेस को कीमोथैरेपी, इम्यूनोथैरेपी और सर्जरी से गुजरना पड़ा। इसमें उनके बाल भी चले गए थे, और नाखूनों को भी रंग बदल गया। हालांकि, अब हिना खान के बाल फिर से उगने शुरू हो गए हैं।

अमिताभ बच्चन से जलते थे विनोद खन्ना, घबरा कर लिया था संन्यास!

विनोद खन्ना 70 और 80 के दशक का वो एक्टर जिसका फिल्मों में होना ही हिट की गारंटी माना जाता था. एक के बाद एक लगातार बॉक्स-ऑफिस पर सुपरहिट फिल्मों की झड़ी लगा विनोद खन्ना ने हिंदी फिल्म जगत में वो जगह बनाई जिसे शायद ही कोई हिला सकता था. लेकिन फिर अचानक ही उन्होंने अपने करियर के पीक पर सबकुछ त्याग कर संन्यास लेने का फैसला कर लिया. वो भारत में अपना बना-बनाया करियर और खुशहाल परिवार छोड़ अमेरिका में ओशो की शरण में जा पहुंचे.

साल 1982 में विनोद खन्ना, अच्छा-खासा स्टारडम करियर, पत्नी और बच्चों को छोड़ आध्यात्मिक राह पर निकल पड़े थे. 1987 में फिल्म 'इंसाफ' से पर्दे पर वापसी करने से पहले वो 5 साल तक ओशो के आश्रम में रहे थे, जहां उन्होंने खुदको पूरी तरह से फिल्मों की चकाचौंध भरी दुनिया और दुनियादारी से पूरी तरह दूर कर लिया था. हाल ही में ओशो के भाई स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने हिंदी रश के साथ बात करते हुए विनोद खन्ना के आध्यात्मिक सफर के बारे में चर्चा की और एक्टर की ग्लैमर वर्ल्ड में वापसी की वजह का खुलासा किया.

विनोद खन्ना के पड़ोसी थे ओशो के भाई : ओशो के भाई स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने बताया कि यूएस में रजनीशपूरम आश्रम में वो विनोद खन्ना के पड़ोसी थे और इसलिए वो उनसे अच्छी तरह से वाकिफ थे. वो कहते हैं, 'ये लोग (एक्टर्स और सेलेब्रिटी) सपनों के सौदागर होते हैं. ये पर्दे पर सपनों जैसी एक दुनिया दिखाते हैं, लेकिन इनकी अपनी जिंदगी परफेक्शन से कोसो दूर होती है. इस चकाचौंध भरी दुनिया के पीछे घंघोर अंधेरा है'.

ओशो ने आंक ली थी एक्टर के मन की बात : स्वामी शैलेंद्र सरस्वती कहते हैं कि विनोद खन्ना अक्सर उनसे कहा करते थे कि उन्हें घर की, अपनी पत्नी और बच्चों की बहुत याद आती थी. हिंदी फिल्मों में स्टारडम के पीक पर पहुंच कर सबकुछ त्यागने वाले विनोद खन्ना ओशो के आश्रम में माली का काम करते थे. ऐसे में उनके दुख का कारण कुछ और ही थी. स्वामी शैलेंद्र के मुताबिक उनके भाई ओशो ने एक्टर के दुख की असल वजह को आंक लिया था.

902 की हीरोइन ने अचानक मुंडवाया सिर, दिवंगत पति का ब्लेजर पहनकर आईं सामने, बोलीं- 'बेदाग और ग्लैमरस...'

'फूल और अंगारे' व 'सौगंध' जैसी फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस शांतिप्रिया ने बाल्ड लुक अपनाकर हर किसी को हैरान कर दिया है. 90 के दशक की चर्चित एक्ट्रेस को बिना बालों के देखकर हर कोई हैरान हैं. एक इंटरव्यू और इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शांतिप्रिया ने सिर मुंडवाने के पीछे का कारण भी बताया है. साथ ही, अपने नए लुक की फोटोज भी शेयर की है. जहां उन्होंने अपने पति को भी याद किया है. चलिए बताते हैं आखिर शांतिप्रिया ने बाल्ड होने का फैसला क्यों लिया.

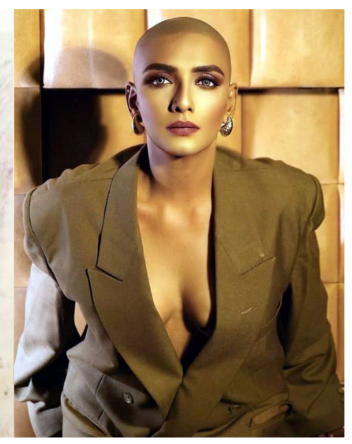

शांतिप्रिया ने इंस्टाग्राम पर 10 अप्रैल 2025 को कुछ फोटोज शेयर कीं. जिसमें उनका काफी बोल्ड लुक देखने को मिला. स्टाइलिश सूटबूट और शानदार मेकअप में उनका कॉन्फिडेंस देखने लायक है. मगर बाल कटवाने का फैसला हैरान करता है. शांतिप्रिया इस फोटोशूट में बिल्कुल बाल्ड नजर आ रही हैं. साथ ही लंबा चौड़ा कैप्शन भी डाला.

क्यों लिया गंजे होने का फैसला

शांतिप्रिया ने कैप्शन में लिखा, 'हाल में ही मैंने गंजे होने का फैसला लिया. एक औरत होने के नाते, हम कई तरह की बंदिशें लगा लेते हैं. समाज के बनाए नियमों को मानते हैं और एक सीमा में खुद को कैद कर लेते हैं. लेकिन मैंने अब आजाद होने का तय किया. मैं अब एकदम फ्री फील कर रही हूं. समाज के बनाए खूबसूरती के पैमानों को तोड़ दिया है. ये करने के लिए मैंने हिम्मत जुटाई और खुद पर विश्वास किया.'

पति के ब्लेजर पहना : शांति प्रिया ने अपने आउटफिट के बारे में भी खुलासा किया. उन्होंने बताया कि इस फोटोशूट में उन्होंने दिवगंत पति का ब्लेजर कैरी किया है. जिसमें वह अपने पति की गर्माहट आज भी महसूस कर सकती हैं.

कौन हैं शांतिप्रिया के पति : बता दें शांति प्रिया के हसबैंड सिद्धार्थ रे थे जो अब इस दुनिया में नहीं हैं. 40 साल की उम्र में साल 2004 में वह गुजर गए. सिद्धार्थ खुद फिल्म इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम थे. जिन्होंने 80-90 के दशक में कई फिल्मों में काम किया था. शांति और सिद्धार्थ रे ने साल 1999 में शादी की थी. दोनों की एक बेटी भी है.

गंजे होने के पीछे का एक कारण ये भी : कुछ समय पहले धारावी बैंक में नजर आईं शांति ने 'ई-टाइम्स' से बातचीत में भी अपने लुक को लेकर बातचीत की. उन्होंने कहा, 'बेशक आज के समय में मुझे कुछ डाउट्स हो सकते हैं. इस इंडस्ट्री में एक्ट्रेस से लंबे समय से लंबे बाल, खूबसूरती, ग्लैमरस और बेदाग दिखने की उम्मीद की जाती है. तो मैंने सोचा क्या इस कदम के उठाने के बाद मेरे रोल्स पर असर पड़ेगा? या लोग मुझे नए नजरिए से दिखेंगे. मैंने गंजे होने का फैसला इसलिए लिया ताकि मैं दिखा सकूं कि मैं यहां के किसी के बनाए ढांचे में फिट होने के लिए नहीं हूं. मैं अपनी शर्तों पर इसे तोड़ने के लिए हूं.'

दवाई या जिम... कपिल शर्मा को दुबला-पतला देख चौंके लोग

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा, जो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 3 के साथ वापसी की तैयारी कर रहे हैं, हाल ही में एयरपोर्ट पर देखे गए। कुछ ही समय में, एयरपोर्ट से वीडियो वायरल हो गए क्योंकि कपिल के बड़े पैमाने पर वेट लॉस और ट्रांसफॉर्मेशन ने फैंस को चौंका दिया। जहां कई लोगों ने उनके वजन घटाने के लिए उनकी तारीफ की, वहीं कुछ लोगों ने उनके स्वास्थ्य और वजन कम करने के उनके तरीकों को लेकर चिंता जताई।

कपिल शर्मा को देख चौंके लोग : सोशल मीडिया पर हलचल मच गई क्योंकि यूजर्स ने पपाराज़ी वीडियो पर कमेंट करते हुए इसे भर दिया। कई लोगों ने कॉमेडियन के इस बड़े बदलाव के बारे में सोचा, कुछ ने अनुमान लगाया कि क्या वह ओज़ेम्पिक जैसे ट्रेंडिंग सेलिब्रिटी वज़न घटाने की चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो दुनिया भर में धूम मचा रहा है। कई फैंस ने उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंता भी जताई।

फैंस को हुई चिंता : कई लोगों ने पूछा- तबीयत ठीक नहीं है क्या कपिल की? एक यूजर ने लिखा- टेंशन में वजन कम हो गया। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा- कपिल भाई बीमार चल रहे हो क्या...आज कल ऐसे कैसे हो गए? एक यूजर ने लिखा- कपिल कुछ ज्यादा ही पतला हो गया है। ऐसे कई लोग थे, जिन्होंने ओज़ेपमिक के इस्तेमाल पर डाउट किया और पूछा- ओजेम्पिक या जिम? एक यूजर ने लिखा- ये ओज़ेम्पिक ले रहा है। एक ने लिखा- ओजेम्पिक के कारण से पूरा बॉलीवोड पतला हो गया है।

कई लोगों ने उठाया सवाल : जहां कई फैंस को कपिल शर्मा का वजन अचानक कम होना चौंकाने वाला लग रहा है, वहीं कपिल लॉकडाउन के बाद से ही अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 2020 में एक शूटिंग के दौरान, कपिल शर्मा ने लगभग 11 किलो वजन कम करने का खुलासा किया था। अर्चना पूरन सिंह ने द कपिल शर्मा शो की शूटिंग के पीछे का एक वीडियो शेयर किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक ज्योति अरोड़ा एवं संपादक राकेश कुमार द्वारा लक्ष्य प्रिंटर्स 521/8बी, ग्राउंड फ्लोर, गली नं. 14, आदर्श मौहल्ला, मौजपूर, दिल्ली-53 से मुद्रित एवं सी-802, मयुर ध्वज अपार्टमेंट, गीता कालोनी, दिल्ली-110031 से प्रकाशित। यूनिवर्सल मीडिया न्यूज़पेपर परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित है और उन्हीं के प्रेरणा स्त्रोत प्रकाशित किया जाता है। नोट: किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायलय ही मान्य होगा। रचनाओं, लेख और समाचार आदि से संपादक, प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक हैं। Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021